राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 28 मार्च 2024 वर्ष-7, अंक-63 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हैदराबाद ने बनाया आईपील इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में अपना दूसरा मैच बुधवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलने के लिए तैयार हैं। आखिरी ओवर में अपने शुरुआती मैच हारने के बाद हैदराबाद और मुंबई दोनों अभी भी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में है। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। हैदराबाद ने पहले खेलते हुए ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन के अर्धशतकों की मदद से 277 रन बनाए। यह आईपीएल में किसी टीम द्वारा बनाया गया सर्वाधिक स्कोर है।

मुंबई पुलिस ने हुक्का पार्लर पर मारा छापा, फारूकी समेत 13 लोग हिरासत में

मुंबई। बिग बॉस 17 के विनर मुनव्वर फारूकी इस समय चर्चा में हैं। मुनव्वर फारूकी समेत 13 लोगों को मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया. दरअसल मुंबई में एक हुक्का पार्लर पर पुलिस ने छापा मारा. जिसके बाद इन सभी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और जांच जारी है. पुलिस ने हिरासत में लिए गए 13 लोगों से पूछताछ की और फिर सभी को छोड़ दिया. मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस ने मुंबई के एक हुक्का पार्लर पर छापा मारकर मुनव्वर फारूकी को गिरफ्तार किया है. उनके साथ 13 अन्य लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है. यह घटना मंगलवार रात की है. हालांकि, मुनव्वर फारूकी को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया. इसके तुरंत बाद मुनव्वर फारूकी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मुंबई एयरपोर्ट से तस्वीरें शेयर कीं. मुंबई पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बोरा बाजार स्थित सबलन हुक्का पार्लर पर छापा मारा। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हमारी टीम को जानकारी मिली कि वहां हुक्का के नाम पर तंबाकू का इस्तेमाल किया जा रहा है. तम्बाकू हुक्का का प्रयोग हर्बल हुक्का के नाम से किया जाता था। यदि वे हुक्का तंबाकू का उपयोग करते हुए पाए गए हैं, तो उन पर सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान हुक्का बार से जब्त किये गये सामान की जांच की जा रही है. इस मामले में हिरासत में लिए गए मुनव्वर फारूकी और 13 लोगों से पूछताछ की गई और उन्हें छोड़ दिया गया. मुनव्वर फारूकी के खिलाफ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 या सीओटीपीए, 2003 के तहत मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी के वक्त मुनव्वर फारूकी हुक्का पार्लर में मौजूद था. बाद में उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। यह पॉजिटिव आया और मामला दर्ज किया गया। लेकिन पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया. मुनव्वर फारूकी ने अभी तक इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है. इस घटना के बाद उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर मुंबई एयरपोर्ट की फोटो शेयर की और लिखा कि वह सफर कर रहे हैं.

पप्पू यादव को लगा बड़ा झटका, पूर्णिया से आरजेडी ने बीमा भारती को दिया टिकट

पटना। बिहार की पूर्णिया सीट को लेकर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के बीच लगातार खींचतान चल रही थी। इन सबके बीच पप्पू यादव को बड़ा झटका लगा है। राजद ने पूर्णिया सीट पर अपना उम्मीदवार उतार दिया है। हाल में ही जदयू छोड़कर राजत में आने वाली बीमा भारती को लालू यादव ने पूर्णिया से अपना उम्मीदवार बनाया है। लालू यादव ने उन्हें पार्टी का सिंबल भी सौंप दिया है। हालांकि, कांग्रेस लगातार इस सीट पर अपना दावा कर रही थी। पप्पू यादव इस सीट पर पूरी लड़ाई के लिए तैयार थे। उन्होंने हाल में ही अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय कराया था। हालांकि, अब पप्पू यादव को बड़ा झटका लगा है। पप्पू यादव बार-बार पूर्णिया नहीं छोड़ने की बात करते रहे। अब देखना होगा पप्पू यादव आगे क्या करते हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें सुपौल या मधेपुरा से चुनाव लड़ने के लिए कहा जा रहा है। बीमा भारती पूर्व में राज्य मंत्री रही हैं। वह पूर्णिया जिले की रुपौली विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। विश्वास मत के दौरान उनकी गैर मौजूदगी सुर्खियों में रही। वह नीतीश कुमार और उनकी सरकार से काफी नाराज रहती हैं।

ईडी की अटैच संपत्तियों को गरीबों में बांटेगी सरकार

पीएम मोदी ने बंगाल में कैंडीडेट राजमाता अमृता रॉय से फोन पर की बात, कहा-यह बात सबको बताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार अब ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से अटैच की गई राशि को गरीबों में बांटने की तैयारी कर रही है। खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि पश्चिम बंगाल में ईडी की तरफ से अटैच की गई राशि को गरीबों में बांटने की दिशा में काम किया जा रहा है। हाल ही में उन्होंने कृष्णानगर सीट से पार्टी प्रत्याशी राजमाता अमृता रॉय से फोन पर बात की है। रॉय तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार महुआ मोइत्रा के खिलाफ चुनाव लड़ने जा रही हैं।रॉय के साथ फोन पर हुई बातचीत के दौरान पीएम ने इस संबंध में कानूनी रास्ते खोजने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि जिन गरीबों का रुपया लूटा गया है, वो उन भ्रष्टाचारियों की संपत्ति और राशि के जरिए उन तक वापस पहुंच जाए, जिन्हें ईडी ने अटैच किया है। पीएम ने भरोसा जताया है कि पश्चिम बंगाल राज्य में परिवर्तन के लिए मतदान करेगा।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 में राज्य में 30 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। पीएम का कहना है कि एक ओर जहां भाजपा देश से भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने की दिशा में काम कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ सभी भ्रष्टाचारी एक-दूसरे को बचाने के लिए साथ आ गए हैं। फरवरी में भी पीएम मोदी ने गरीबों की लूट को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, (यूपीए) कार्यकाल के दौरान जांच एजेंसियों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक मतलब के लिए किया जाता था। मैं इस पर कुछ प्रकाश डालता हूं।

ममता और कंगना पर टिप्पणी करने वाले नेताओं को नोटिस

चुनाव आयोग ने बीजेपी सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया से मांगा जवाब

कोलकाता/दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता कंगना रनोट पर टिप्पणी करने वाले नेताओं को कारण बताओ नोटिस भेजा है। आयोग ने बुधवार को कहा कि दोनों नेताओं की टिप्पणियां अशोभनीय और खराब थीं। चुनाव पैनल ने कहा कि दोनों टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता और चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों को गरिमा बनाए रखने की सलाह का उल्लंघन थीं। दोनों को 29 मार्च की शाम तक नोटिस का जवाब देने को कहा गया है। दरअसल, भाजपा सांसद दिलीप घोष ने ममता बनर्जी के फैमिली बैकग्राउंड पर टिप्पणी की थी। टीएमसी ने मंगलवार को उनका एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया था। इसमें घोष ने कहा था- ममता जब गोवा जाती हैं तो खुद को गोवा की बेटी कहती हैं। त्रिपुरा में खुद को वहां की बेटी बताती हैं। वे तय करें कि उनके पिता कौन है।

सीएम अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत, ईडी से 2 अप्रैल तक जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाई से राहत नहीं मिली है। हाई कोर्ट ने ईडी से 2 अप्रैल तक जवाब मांगा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई के बाद अपना फैसला दिया। केजरीवाल की तरफ से गिरफ्तारी और उसके बाद ईडी को रिमांड को अवैध बताते हुए तत्काल रिहाई की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने 3 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय कर दी है। इसके साथ ही ईडी को जवाब देने के लिए समय दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया। एजेंसी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने कहा कि याचिका उन्हें मंगलवार को ही सौंपी गई थी और अपना पक्ष रिकॉर्ड पर लाने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया जाना चाहिए। आप नेता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एएम सिंघवी ने आरोप लगाया कि जवाब दाखिल करने का अनुरोध देरी की रणनीति है।

जम्मू-कश्मीर से जल्द अफसपा हटाने पर हम करेंगे विचार

अमित शाह ने कहा-वहां मौजूद जवानों को भी वापस बुलाया जा सकता है

सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर से आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर्स एक्ट (अफ्सपा) हटाने पर विचार करेंगे। वहां मौजूद जवानों को वापस बुलाने का भी प्लान बनाया जा रहा है। इसके अलावा अमित शाह ने राज्य में सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव कराने की भी बात कही है। अमित शाह ने एक मीडिया ग्रुप को दिए इंटरव्यू में कहा कि सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लॉ एंड ऑर्डर की जिम्मेदारी अब सिर्फ पुलिस को सौंपने की तैयारी की है। पहले वहां की पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता था, लेकिन अब पुलिस बड़े ऑपरेशन लीड कर रही है। अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के ओबीसी को मोदी सरकार ने रिजर्वेशन दिया। महिलाओं को भी हमारी सरकार ने एक तिहाई आरक्षण दिया है। पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों में ओबीसी रिजर्वेशन की व्यवस्था भी की गई।

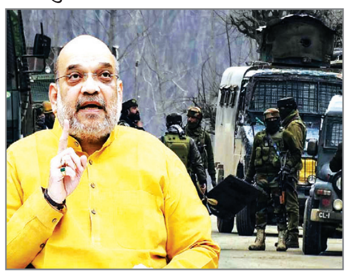

शाह की अपील-युवा पाकिस्तानी साजिश से दूर रहें

अमित शाह ने कहा- लोगों के बिना सपोर्ट के ये बदलाव नहीं मिल सकते थे। जो लोग इस्लाम की बात करते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि मरने वालों में 85 फीसदी हमारे मुस्लिम भाई-बहन थे। मैं यहां के युवाओं से भी कहना चाहता हूं कि उन्हें पाकिस्तान की तरफ से हो रही साजिश से दूर रहना चाहिए। आज पाकिस्तान भुखमरी और गरीबी की मार झेल रहा है। वहां के लोग भी कश्मीर को स्वर्ग के रूप में देखते हैं। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि अगर कोई कश्मीर को बचा सकता है तो वह प्रधानमंत्री मोदी ही हैं। मोदी सरकार शहीदों के परिजनों को नौकरी देकर सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा रही है। आज एक भी शहीद का परिवार बिना नौकरी के नहीं है।

प्रतिदिन देंगे 400 न्यूनतम मजदूरी, कांग्रेस का वादा

खरगे बोले-मोदी सरकार के 10 साल रहे 'अन्याय काल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के पिछले 10 वर्ष श्रमिकों के लिए 'अन्याय काल' वाले रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि यदि वह सत्ता में आती है, तो 'श्रमिक न्याय' के माध्यम से कामगारों के लिए अन्याय काल का अंधकार दूर करेगी। कांग्रेस ने वादा किया कि अगर सत्ता में आई तो देशभर में न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर प्रतिदिन 400 रुपये कर देगी। विपक्षी पार्टी ने कहा कि यही मजदूरी मनरेगा के लिए भी लागू होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस पार्टी 'श्रमिक न्याय' क्यों लाई है। मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014-15 और 2021-22 के बीच वास्तविक मजदूरी की वृद्धि दर प्रति वर्ष 1 फीसदी से भी कम थी। यह खेत मजदूरों के लिए केवल 0.9 फीसदी, निर्माण कर्मियों के लिए मात्र 0.2 फीसदी और गैर-कृषि श्रमिकों के लिए सिर्फ 0.3 फीसदी रही।'' उन्होंने दावा किया, ''संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के दूसरे कार्यकाल के दौरान वास्तविक कृषि और गैर-कृषि ग्रामीण मजदूरी क्रमशः 8.6 फीसदी और 6.9 फीसदी प्रति वर्ष की दर से बढ़ी। इसके विपरीत मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में वास्तविक ग्रामीण मजदूरी की वृद्धि दर कृषि में (-0.6 फीसदी) और गैर-कृषि ग्रामीण मजदूरी (-1.4) दोनों के लिए नकारात्मक हो गई है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि मनरेगा में आधार के जरिये भुगतान संबंधी अनिवार्यता लाकर मोदी सरकार ने पिछले दो वर्षों में सात करोड़ लोगों से ''काम का अधिकार'' छीना है।

केजरीवाल नहीं चला सकते जेल से सरकार

- एलजी ने दिया जोर का झटका मगर धीरे से

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार नहीं चला सकते हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने यह दो टूक कह दिया है। कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए केजरीवाल ने इस्तीफे से इनकार करते हुए कहा था कि वह जेल से ही सरकार चलाएंगे। अब एलजी वीके सक्सेना के जवाब के बाद दिल्ली सरकार और राजभवन के बीच टकराव बढ़ सकता है। यह देखना भी दिलचस्प हो गया है कि सरकार का कामकाज किस तरह आगे बढ़ेगा। एक समिट में एलजी वीके सक्सेना ने कहा, मैं दिल्ली के लोगों को भरोसा दे सकता है कि सरकार जेल से नहीं चलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपराज्यपाल से पूछा गया था कि क्या दिल्ली की सरकार अब जेल से चलेगी। सक्सेना ने इसका दो टूक जवाब दिया। खबर लिखे जाने तक आम आदमी पार्टी की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

एमपी-बिहार, बंगाल के बीजेपी स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव को लेकर तीन राज्यों के लिए स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इनमें मध्यप्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। सभी राज्यों में भाजप के 40-40 दिग्गज नेताओं के नाम हैं। पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तीनों राज्यों में जनसभाएं करेंगे। इधर, तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनावों को लेकर पश्चिम बंगाल में अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट में 40 नेताओं के नाम शामिल किए हैं, जिसमें सबसे ऊपर पार्टी सुप्रीमो और सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम है। हालांकि, इसमें पार्टी की फायरब्रांड नेता महुआ मोइत्रा का नाम नहीं है। मध्यप्रदेश के लिए भाजपा की स्टार प्रचारकों की लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 7 केंद्रीय मंत्रियों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा बीजेपी शासित 6 राज्यों के मुख्यमंत्री भी एमपी में पार्टी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करते नजर आएंगे। मध्यप्रदेश से सीएम डॉ. मोहन यादव, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जैसे बड़े नाम भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल हैं।

मोदी-शाह, नड्डा की सभाएं तीनों राज्यों में, टीएमसी कैंपेनर्स में मोइत्रा का नाम नहीं

महुआ मोइत्रा पर एजेंसियों का ताबड़तोड़ ऐक्शन जारी

- सीबीआई रेड के बाद अब ईडी का समन, फेमा केस में तलब

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की नेता और पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर लोकसभा सीट से उम्मीदवार महुआ मोइत्रा एक बार फिर से केंद्रीय एजेंसियों के निशाने पर हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने महुआ मोइत्रा को फेमा मामले में दिल्ली में पूछताछ के लिए 28 मार्च को बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। तृणमूल नेता को इससे पहले भी केंद्रीय एजेंसी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। मोइत्रा को 'रिश्वत लेकर सवाल पूछने' के मामले में दिसंबर में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) उल्लंघन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के लिए महुआ के साथ-साथ हीरानंदानी को बुलाया है।

महिलाओं को सशक्त बनाना दुनिया के वर्तमान और भविष्य के लिए एक निवेश है: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी दुनिया के वर्तमान और भविष्य के लिए एक निवेश है। आज भारत मंडपम में फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ) के 40 साल पूरे होने पर एफएलओ के सदस्यों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने संकेत दिया कि समान अवसरों को बढ़ावा देकर, बाधाओं को दूर करके और महिलाओं की आवाज व उपलब्धियों को बढ़ाकर, हम एक ऐसा समाज बनाते हैं जो न केवल निष्पक्ष एवं न्यायसंगत, बल्कि समृद्ध और टिकाऊ भी हो।'

लैंगिक समानता और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के मूलभूत सिद्धांतों के रूप में स्वीकार करते हुए, उपराष्ट्रपति ने सक्षम लैंगिक तटस्थ इकोसिस?टम की सराहना की और सशस्त्र बलों में महिलाओं के लिए स्थायी कमीशन एवं सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश जैसी हालिया सकारात्मक पहलों की श्रृंखला पर ध्यान दिया।

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए गेमचेंजर के रूप में संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने इसे भारतीय राजनीति में एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि संसद में अधिक महिलाएं उस पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलने में मदद करेंगी। महिलाओं को प्रॉक्सी उम्मीदवार के रूप में पेश करने की आशंकाओं और रूढ़िवादिता को खारिज करते हुए, उपराष्ट्रपति ने हमारे चंद्रयान मिशन में महिला वैज्ञानिकों द्वारा निभाई गई नेतृत्वकारी भूमिका की चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं आज समाज में अपना उचित स्थान पुनः प्राप्त कर रही हैं और वह अब अपने पुरुष परिवार के सदस?यों द्वारा नियंत्रित नहीं है। लैंगिक न्याय और निरन?तर विकास के बीच अटूट संबंध पर प्रकाश डालते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि लैंगिक न्याय और महिलाओं को आर्थिक न्याय निरन?तर विकास हासिल करने के लिए अत?यन?त महत?वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जब अधिक महिलाएं काम करती हैं तो अर्थव्यवस्था बढ़ती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जेल से सरकार

कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्थापित परंपरा से अलग जाते हुए जेल से सरकार चलाने का जो फैसला किया है, उसने एक नए विवाद और नए विमर्श को जन्म दिया है। विवाद इसलिए कि पूर्व में जब भी ऐसी परिस्थिति पैदा हुई, तो संबंधित मुख्यमंत्री ने हिरासत में लिए जाने से पहले अपना त्यागपत्र सौंप दिया। उन मुख्यमंत्रियों के इस्तीफे राजनीतिक शुचिता और सांविधानिक गरिमा की रक्षा के नैतिक दबाव से प्रेरित रहे। मगर, केजरीवाल के रुख ने विरोधियों को उन पर हमले का मौका मुहैया करा दिया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री पूछताछ के लिए ईडी की हिरासत में हैं, तो उनके पास लेखन सामग्री कहां से आई कि वह अपने मंत्रियों को निर्देश जारी कर रहे हैं? अब उन्होंने इस मामले की जांच कराने की मांग कर डाली है। जाहिर है, आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, केजरीवाल और उनकी पार्टी के मौजूदा रुख के पीछे जहां दिल्ली व देश के मतदाताओं तक यह पैगाम पहुंचाना है कि सलाखों के पीछे भी आपके हितों के लिए मुख्यमंत्री सक्रिय हैं, तो वहीं भाजपा व एनडीए का पूरा प्रयास उनके इस कदम को अनैतिक ठहराने का है। राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों से परे इस प्रकरण ने देश और समाज के आगे विमर्श का एक गंभीर मुद्दा पेश किया है, क्योंकि संविधान इस संदर्भ में मौन है। संविधान यही कहता है कि मंत्रियों की एक परिषद होगी, जो शासन संबंधी फैसले लिया करेगी और मंत्रिपरिषद का मुखिया मुख्यमंत्री होगा। मंत्रिपरिषद की बैठक की सदारत के लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति की भी बाध्यता नहीं है, काबीना का वरिष्ठतम मंत्री यह दायित्व निभा सकता है। ऐसे में, सरकार के दैनंदिन कार्यों में फौरी तौर पर कोई खास व्यवधान नहीं आने वाला। फिर जेल मैनुअल भी विचाराधीन कैदियों को सप्ताह में एक दिन मुलाकात का मौका देता है और यह भी प्रावधान है कि सभी कैदी पंद्रह दिनों में एक बार अपने रिश्तेदारों, साथियों, कानूनी सलाहकारों को पत्र लिख सकते हैं। ऐसे में, यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि यह मामला लंबा खिंचता है, तो क्या इस विधानसभा के शेष कार्यकाल में दिल्ली सरकार जेल से चलेगी? निस्संदेह, केंद्र अभी इस स्थिति को लेकर कोई नीतिगत फैसला नहीं कर सकता, क्योंकि आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मगर इस कथित घोटाले में जांच एजेंसियों की दक्षता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कई लोग पूछ रहे हैं कि इतने महीनों बाद भी इस मामले में ट्रायल क्यों नहीं शुरू हुआ? नैतिकता का कोई सवाल एकांगी नहीं होता। किसी अन्य से नैतिकता की अपेक्षा करते हुए खुद भी मजबूत नैतिक धरातल पर खड़े रहना पड़ता है, वरना उसका कोई मूल्य नहीं रह जाता। दुर्योग से पिछले कुछ समय से हमारे समूचे राजनीतिक माहौल में जिस एक चीज का सबसे अधिक ह्रास हुआ है, वह नैतिकता ही है। इसलिए अगली संसद से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह ऐसे मसलों पर वैधानिक स्थिति को स्पष्ट करे। ऐसे गंभीर मसलों में, जिसमें किसी गिरफ्तारी से एक निर्वाचित सरकार का कामकाज आंशिक रूप से भी प्रभावित हो, जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए। इससे न सिर्फ उनकी निष्पक्षता मजबूत होगी, बल्कि प्रतिशोध की राजनीति के लिए गुंजाइश भी कम होगी। इस विमर्श को एक वैधानिक अंजाम तक ले जाने के लिए नई संसद में पक्ष-प्रतिपक्ष को एकराय होना होगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

अफ़ग़ान-पाक टकराव के निहितार्थ

पुष्परंजन

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने धमकाया है कि यदि काबुल किसी तरह की सैन्य कार्रवाई करता है, तो हम उस कॉरीडोर को बंद कर देंगे, जिसके बज़रिये भारत, अफग़ानिस्तान से व्यापार करता है। इंडिया से अफ़गानिस्तान तक माल पहुंचाने का एक रूट चाबहार पोर्ट है, जो पाकिस्तान की सरहद को नहीं छूता। जब तक ईरान से अफग़ानिस्तान के बेहतर रिश्ते हैं, यह मार्ग महफूज़ है। इस मार्ग को चाबहार-हाजीगाक कॉरीडोर कहते हैं। दूसरा, हवाई मार्ग है, जो 2016 से काबुल और कंधहार को भारत से जोड़ता रहा है। तो क्या पाकिस्तान इस तरह का बयान देकर भारत को इन्वॉल्व करना चाहता है? 16 मार्च 2024 को उत्तरी वजीरिस्तान में एक पाकिस्तानी चौकी पर आत्मघाती हमले में दो अधिकारियों समेत सात सैनिकों की जान चली गई। इसकी ज़िम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 'बहादुर समूह' ने ली थी। जवाब में पाकिस्तान ने 18 मार्च 2024 को अफगानिस्तान के अंदर 'बहादुर समूह' के ठिकानों को निशाना बनाया। इस सर्जिकल स्ट्राइक ने काबुल-इस्लामबाद के संबंधों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। इससे क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंका बढ़ गई है। लोगों को इसका डर है कि पाकिस्तान-अफग़ानिस्तान के बीच फुल स्केल वॉर न छिड़ जाए। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ-साथ, बहादुर समूह से जुड़े आतंकवादियों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कई हाई-प्रोफाइल हमले किये थे, जिनमें दा गज्यानो कारवां, दा सुफियानो कारवां और जैश फुरसान मुहम्मद शामिल हैं। समूह की पहुंच उत्तरी वजीरिस्तान से आगे तक फैली हुई है, जो बन्नू, लक्की मारवात, डेरा इस्माइल खान और टैंक जैसे निकटवर्ती जिलों में सुरक्षा बलों के लिए संवेदनशील है। इससे पहले, 5 फरवरी 2024 को ख़ैबर पख़्तूनख्वा (केपी) के डेरा इस्माइल ख़ान के छोड़वान पुलिस स्टेशन पर एक हमले में पाक सुरक्षाबलों के 10 लोग मारे गये थे। 2023 से अब तक के आतंकी हमले में 991 लोग मारे जा चुके हैं। अलग-अलग घटनाओं को जोड़ दें, तो घायलों की संख्या 1500 पार है। इसमें 16 मार्च 2024 को उत्तरी वजीरिस्तान में आत्मघाती बम विस्फोट, 26 नवंबर 2023 को बन्नू के बकाकेहल क्षेत्र में आत्मघाती बम विस्फोट और 31 अगस्त 2023 को बन्नू के जानी खेल क्षेत्र में एक सैन्य काफिले पर आत्मघाती हमला भी शामिल है। फिलहाल पैदा तनाव की वजह हाफिज़ गुल बहादुर ही है। वह अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान में उस्मानजई वजीर जनजाति के माडा खेल कबीले से आता है। हाफिज़ गुल बहादुर के पूर्वज 1930 और 1940 के दशक में ब्रिटिश कब्जे के खिलाफ प्रतिरोध के लिए जाने जाने जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाफिज़ गुल बहादुर जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआई-एफ) की छात्र शाखा से जुड़े थे। 2001 के अंत में अफगानिस्तान में अमेरिका के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के बाद, ये आतंकवादी सीमा पार उत्तरी वजीरिस्तान सहित पाकिस्तान के कबिलाई इलाकों में भूमिगत हो गए। यही लोग कालांतर में पाकिस्तान के लिए सिरदर्द साबित हुए। राष्ट्रपति मुशर्रफ पर हत्या के दो प्रयासों और अमेरिका के बढ़ते दबाव के बाद, पाकिस्तान ने 2004 में इस क्षेत्र में अभियान शुरू किया। 2004 में स्थानीय तालिबान नेता, नेक मुहम्मद की हत्या के बाद ऑपरेशन का विस्तार हुआ। हालांकि, 2006 के मध्य तक, हाफिज़ गुल बहादुर ने अपना रुख बदल दिया और सरकार के साथ शांति समझौता कर लिया। बहादुर की पाकिस्तान से दोस्ती से कुछ विदेशी आतंकवादी नाराज हो गए, जैसे कि इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान (आईएमयू) के आतंकवादी, जिन्होंने उन पर पाकिस्तान का पक्ष लेने का आरोप लगाया। इस बीच, हाफिज़ गुल बहादुर ने उस इलाके में वर्चस्व के लिए कर वसूली और सज़ा के मकसद से एक शूरा परिषद की स्थापना की। हालांकि, पाक सरकार से समझौते के बावजूद गुल बहादुर के अफगान तालिबान के साथ संबंध नहीं टूटे। अल कायदा ने दिसंबर 2007 में टीटीपी के बैनर तले विभिन्न पाकिस्तानी तालिबान समूहों को एकजुट करने की मांग की, मगर बहादुर का गुट बाहर ही रहा। अपनी अलग पहचान बनाए रखने के बावजूद, बहादुर समूह को हक्कानी नेटवर्क, अल कायदा और यहां तक कि टीटीपी जैसे प्रभावशाली गुटों के साथ अपने संबंधों से लाभ मिलता रहता है। बहादुर समूह और पाक सरकार के बीच 2006 में हुआ शांति समझौता, मई 2014 के अंत में समाप्त हो गया, इससे ठीक पहले कि पाकिस्तान ने उत्तरी वजीरिस्तान में एक बड़ा सैन्य आक्रमण, ऑपरेशन जर्ब-ए-अजब शुरू किया। हाफिज़ गुल बहादुर ने सरकार पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। विश्लेषकों का मानना है कि बहादुर के रिश्तेदारों की हत्या ने सरकार से उनकी बढ़ती दुश्मनी में और योगदान दिया। सैन्य अभियान ने बहादुर और उसके लेफ्टिनेंटों के घरों को ध्वस्त कर दिया और उनके परिवारों को विस्थापित होने के लिए मजबूर किया। अप्रैल 2022 में, कई हवाई हमले पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा किए गए, लेकिन सरकार के स्तर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई। अफगानिस्तान में टीटीपी और बहादुर के समूह के ठिकानों को जिस तरह निशाना बनाया गया, उसमें बच्चों सहित कई नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें से कुछ को बहादुर का करीबी बताया गया। 2021 के मध्य में 47 पाकिस्तानी तालिबान गुटों, सांप्रदायिक समूहों और यहां तक कि अल कायदा सहयोगियों के साथ विलय का दावा किया जाता है। पाक-अफगान अतिवादियों के एक्सपर्ट रिकार्डो वैले ने अपनी वेबसाइट 'मिलिटेंसी चैक' में निष्कर्ष दिया कि टीटीपी और बहादुर के समूह के बीच एकजुटता इस इलाक़े की शांति के लिए ख़तरनाक है। पाक अधिकारियों ने सफाई दी कि आतंकवादियों ने 16 मार्च 2024 को फ्रंटियर कोर शिविर पर हमला किया था। 18 मार्च का ऑपरेशन अफगानिस्तान के लोगों को लक्ष्य में लेकर नहीं किया गया था। पाक रक्षा मंत्री ख़्वाज़ा आसिफ ने वायस ऑफ अमेरिका से कहा है कि हमें एक मैसेज भेजने की जरूरत थी कि सीमा पार आतंकवाद हम बर्दाश्त नहीं करने वाले। साथ में पाक रक्षा मंत्री ख़्वाज़ा आसिफ ने चेतावनी दी कि यदि ये माने नहीं तो भारत के साथ व्यापार के लिए अफगानिस्तान को जिस गलियारे की सुविधा हमने दी है, उसे हम अवरुद्ध कर देंगे। ख़्वाज़ा आसिफ ने इस बात पर जोर दिया कि अगर काबुल पाकिस्तान के खिलाफ अफगान धरती पर सक्रिय आतंकवादियों पर अंकुश लगाने में विफल रहता है, तो उसे अमीरात को सहायता देना बंद करने का अधिकार है। इस पूरे मामले में चीन की चुप्पी ख़तरनाक है। बेशक चीन का नुकसान इस इलाके में जारी आतंकवाद से है। उसका ताज़ा उदाहरण है 20 मार्च को ग्वादर बंदरगाह पर हुआ अटैक, जिसे विफल करने के दौरान आठ अतिवादी मारे गये। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अश्लील नहीं है हमारी सभ्यता

लेखक- संजय गोस्वामी

फ़िल्म स्टार कँगना रनौत पर मंडी चुनाव में बीजेपी के तरफ उम्मीदवार बनाने से कांग्रेस की किसी प्रवक्ता की सियासी उधेड़बुन के बीच उन पर कथित रूप से कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेता द्वारा की गईं आपत्तिजनक टिप्पणी की भी खबर सामने आईहालांकि बात जब बिगड़ा तो सफाई देनी पड़ी जिसके बाद से इंटरनेट मीडिया पर कांग्रेस और भाजपा दोनों में खूब जुबानी जंग तेज है।हालांकि कंगना रनौत के परदादा भी रह चुके हैं विधायक, हाईप्रोफाइल सीट मंडी से है काफी पुराना नाता है ऐ नये ज़माने का भारत है लोकतंत्र में क़ोई भी टिप्पणी किसी के उम्मीदवारी पर करना उचित नहीं है यदि चुनाव में फ़िल्म स्टार का खड़ा होना उचित नहीं लग रहा तो इंडिया में हुए मिस वर्ल्ड भी सही नहीं है लेकिब मीडिया पर उसपर ध्यान नहीं गया और इधर ऐसे आयोजन से क्या मिलेगा जो भारतीय संस्कृति के विरुद्ध हो 27 साल के लंबे अरसे के बाद, भारत ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी की है। इस कार्यक्रम में मिस वर्ल्ड 2024 के विजेता की घोषणा की भी हो गई। इस प्रतियोगिता में भारत से सिनी शेट्टी ने प्रतिनिधित्व किया लेकिन सवाल यह है कि भारत में कराने की जरुरत ही क्या है।

किसी भी देश का अपना इतिहास होता है, परम्परा होती है। यदि देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। किसी भी संस्कृति में आदर्श होते हैं, मूल्य होते हैं। इन मूल्यों की संवाहक संस्कृति होती है। भारतीय संस्कृति में चार मूल्य प्रमुख हैं—धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूकमाटी महाकाव्य में वह परिभाषा हमें मिलती हैं— इस युग के दो मानव अपने को खोना चाहते हैं एक भोग रोग मद्यपान को चुनता है और एक योग त्याग आत्मध्यान को धुनता है। कुछ ही क्षणों में दोनों होते विकल्पों से मुक्त फिर क्या कहना एक शव के समान निरा पड़ा है और एक शिव के समान खरा उतरा है।सच यही है वे दोनों संस्कृतियाँ जिनमें से हमें क्या चुनना है यह हमारे ऊपर निर्भर है। वर्तमान में सामाजिक बदलाव को देखकर ऐसा लगने लगा है कि जैसे न ही हमारी संस्कृति रह गई है न ही हमारी सभ्यता। जहाँ तक सवाल है पश्चिमी सभ्यता का तो हम लोगों ने उन बातों को अपनाया जो भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल थीं। जिस भारतीय समाज में हम रहते हैं वहाँ का वातावरण, सभ्यताएँ, मर्यादाएँ नैतिक मूल्य कुछ और ही हैं। ऐसे में जब हम पहनावे में उसकी खुली सोच और खुलेपन का अंधानुकरण करते हैं तो हमारे वातावरण में नग्नता दिखाई देती है।

हवा में अजीब-सी गंदगी घुल गई है मानव मस्तिष्क पर विपरीत असर कर रही है बात मैं हवा की नहीं कर रही हूँ। मैं हवा के माध्यम से हमारे चारों ओर के सामाजिक परिवेश की चर्चा कर रही हूँ। पाश्चात्य से बटोरा है हमने काम—ग्रसित समाज जिसने हमारी भावनाओं को काम के वशीभूत किया है। लिया है हमने पाश्चात्य से अतिमहत्वाकांक्षी होने का मन्त्र जिसने हमें हमारे सामाजिक परिवेश में अनुशासनहीन जीवन जीने की ओर अग्रसर किया है जाना है हमने पाश्चात्य से न्यूक्लीयर युक्त समाज में जीवन जीने का तंत्र। इस तंत्र ने मानव सभ्यता को इसके अंत पर लाकर खड़ा किया है। पाश्चात्य से हमने सीखा है वर्णशंकर युक्त नई पीढ़ी के साथ जीवन जीने का मार्ग, यह मार्ग बड़ा आसाँ है हमारे भारत धर्म भारतीय की संस्कृति को अधोगति में ले जाने के लिए। चाहिए तो था हम बटोरते कुछ ऐसा पाश्चात्य संस्कृति से जो उसे हमसे कुछ मायनों में आदर्श बनाती है जैसे कि हम उनकी ही तरह ईमानदार होते, राष्ट्र के प्रति समर्पित होते, राष्ट्रप्रेमी होते, अनुशासित होते जो हमें सम्पूर्ण मानव बनने में सहायक होती। हम एक आदर्श भारतीय समाज का निर्माण कर पाते हम आसमां पर चमकते न कि भ्रष्टाचार, बलात्कार, अपराध की सूचि में सबसे ऊपर होते। क्योंकि उस आयोजन में ठीक वही होता है जिससे युवा पीढ़ी का फिसलना तय है भले ही विदेशों में हिट हो लेकिन यह हमारी नहीं संस्कृति में नहीं होता आज नारी को पूजा जाता है उसके सम्मान की रक्षा करने और आगे बढ़ने हेतु तभी तोभारत के गरीबो की बेटियों जो गाँव में रहती है उसमें संस्कार है तभी तो वो फटे कपड़े से मान सम्मान हेतु तन ढक लेती है लेकिन ऐसे कपड़े नहीं पहनती जो तन को कहीं मज़ाक का जरिया ना बना लें हालांकि शहर में भी ऐसे वस्त्र नहीं पहनते जो कम से कम कपड़े वाला हो लेकिन जो ऐसे आयोजन में पहना जाता है वो हमारी संस्कृति के लायक बिलकुल नहीं। पहनावे में भड़काउपन और खुलेपन की सोच के कारण स्त्री देवी का रूप को लोग गलत नजर से देखते है संस्कृति को ना छेरोंकम से कम कपड़े पहन अधिक से अधिक शरीर का प्रदर्शन करना यदि मार्डन है तो आदिवासी ज्यादा मार्डन और सभ्य हुए। संस्कृति का उद्देश्य मानव जीवन को सुंदर बनाना है। परन्तु पाश्चात्य संस्कृति में चमकते कांच झिलमिलाती रोशनी, शराब का प्याला और साथ में खड़ी अर्धनग्न लड़की उद्देश्य होता है नारी को कठपुतली बनाना ना की सम्मान देना जहाँ नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है वहाँ बिलकुल ही ऐसे आयोजन कराना उचित नहीं है इससे हमारा नाम हो या नहीं लेकिन संस्कृती पर प्रश्न चिन्ह लग गया । अब ऐसा लगता है टेलीविजन में दिखाए जाने वाले सिनेमा, सीरियल, विज्ञापन में अर्धनग्न महिलाओं को दिखाए जाने की अनुमति है या नहीं वो सेंसर बोर्ड तय करता है हालांकि वो भी आजकल सुपरहिट करने के चक्कर में क़ोई कम नहीं होता, भगवान राम के राज्य में ऐ आयोजन होना सही नहीं है।यही कारण है जहाँ पहले रिश्तों की अहमियता थी शादियाँ पूरी जिंदगी चलती थी आजकल लोग फैशन में इसकदर डूब गए हैं कि हम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार नहीं दे पाते हैं अब मॉडर्न कल्चर आ गई है लेकिन भारत की संस्कृति नहीं बदली है और ऐ नारी का अनादर है क्योंकि इससे विश्व में देश का नाम ठीक नहीं होता क्योंकि ऐ भगवान श्री राम के चरणों से पवित्र है उसे ऐसे आयोजन से लक्ष्मण रेखा पार होती है और नारी का सम्मान क्या है एक पाश्चात्य संस्कृति का मसाला है जो मिस वर्ल्ड के नाम पर भारतीय संस्कृति को मिटा देगी क्योंकि ऐ भारतीय को देखने लायक भी नहीं है क्योंकि गांधी जी ने विदेशी सभ्यता का विरोध किया और सारे समान जलाकर अपनी संस्कृति को बचाया।लेकिन ऐसा क़ोई नियम नहीं है क़ोई कहीं से खड़ा नहीं हो सकता जब हर पार्टी में अनेक तरह के पुरुष और नारी चुनाव में खड़ा हो रहें है तो इसमें गलत क्या है वो तो किसी स्टार का पेशा है उसपर टिका टिप्पणी करना सही नहीं है क्योंकि यही तो लोकतंत्र है जहाँ आदमी की जगह लड़का, सास ससुर, भाई बहन सब खुद जाते है उसमें क़ोई ना तो क़ोई निकल ही जाएगा।

विचार मंथन

भारतीय न्यायपालिका की साख अंतरराष्ट्रीय कसौटी पर?

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय न्यायपालिका की साख अंतरराष्ट्रीय कसौटी पर कसी जा रही है। स्वतंत्रता के बाद से लगभग 2014 तक भारत की न्यायपालिका जिस तरह से काम करती थी, उसके कारण भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, भारतीय न्यायपालिका की साख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत भरोसेमंद और मजबूत थी। भारतीय न्यायपालिका कभी सरकार के अधीन नहीं रही। भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर ऐसे-ऐसे फैसले दिए, जिस कारण भारत की संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं तथा भारतीय कानून का सम्मान सारी दुनिया के देशों में बना हुआ था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश माना जाता था। मानव अधिकारों को लेकर भारत की सारी दुनिया में प्रशंसा होती थी। अंतरराष्ट्रीय जगत में इस बात की प्रशंसा भी होती थी, कि भारत एक ऐसा देश है, जिसमें सभी धर्म और संस्कृति के लोग एक साथ निवास करते हैं। शांतिपूर्ण ढंग से रहते हैं। यह दुनिया के लिए आश्चर्य का विषय भी था। भारत की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं की चर्चा सारी दुनिया के देशों में होती थी। पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका को लेकर समय-समय पर ऐसी बातें सामने आती रही हैं, जिसमें न्यायपालिका सरकार के दबाव में काम करती हुई दिख रही है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आरोपों के आधार पर आरोपियों को कई महीने और वर्षों तक जेल में बंद करके रखा जा रहा है। कुछ इस तरीके के कानून बनाए गए हैं, जिसमें न्यायालय को जमानत देने के अधिकार सीमित कर दिए गए हैं। इसे सरकार का उत्पीड़न माना जा रहा है। न्यायपालिका जिस तरीके से काम कर रही है, उसको देखते हुए यह सारी दुनिया में महसूस किया जा रहा है, कि भारतीय न्यायपालिका सरकार के दबाव में काम कर रही है। पिछले एक दशक में भारत सरकार ने जो कानून बनाए हैं। कानूनो में जो संशोधन किए हैं। उससे नागरिकों की स्वतंत्रता के अधिकार बाधित हो रहे हैं। न्यायपालिका कई कई वर्षों तक इस तरह के कानून के मामलों की सुनवाई नहीं करती है। सरकार द्वारा बनाए गए कानून, और की गई कार्यवाही पर न्यायपालिका त्वरित सुनवाई और आदेश पारित नहीं करती है। जिसके कारण आरोपों के आधार पर आरोपियों को कई महीनो और सालों तक जेल में बंद रखा जा रहा है। भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक एवं मानव अधिकारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियमों को भारत सरकार ने भी स्वीकार किया है। उनका पालन अब भारत में नहीं हो रहा है। हाल ही में केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मनी लॉड्रिंग एक्ट में विपक्षी दलों के राजनेताओं के ऊपर जो कार्रवाई की जा रही है, उन्हें वर्षों तक गिरफ्तार करके जेल में बंद रखा जा रहा है। हाल ही में चुनावी बांड को लेकर जो जानकारी सामने आई है। उसकी क्रिया और प्रतिक्रिया सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा जिस तरह से विपक्ष को परेशान किया जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में जर्मनी और अमेरिका ने जिस तरह से मुखर होकर चिंता जताई है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी लगभग इसी तरह से गिरफ्तार किया गया था, जो अभी भी जेल में बंद है। न्यायालय से उन्हें कोई राहत नहीं दी जा रही है। जांच एजेंसियां कई महीने और वर्षों तक जांच करने के नाम पर विपक्षी दलों के नेताओं को जेलों में बंद रख रही हैं। उसके बाद से भारत की न्यायपालिका की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। वैश्विक व्यापार समझौते के बाद सारी दुनिया के देशों से भारत के राजनीतिक एवं कूटनीतिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक संबंध भी विकसित हुए हैं। चुनावी बांड को लेकर जो जानकारियां सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उजागर हुई हैं। भारत में जिस तरह से विपक्षी दलों और कारोबारी समूह से जुड़े संस्थानों और कारोबारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। औद्योगिक समूहों के ऊपर भी जिस तरीके की कार्रवाई सरकार द्वारा की जा रही है। उसे मानव अधिकारों और धर्म आधारित उत्पीड़न के रूप में देखा जा रहा है। जिसके कारण भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्थाओं को लेकर जो छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई थी। उसमें धक्का लगना शुरू हो गया है। वैश्विक संस्थाओं द्वारा भारत की वर्तमान स्थिति को लेकर जो चिंता जताई जा रही है। निश्चित रूप से भारतीय न्यायपालिका की अभी तक जो छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई थी। ठीक उसके विपरीत है। अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए जिस तरह से गिरफ्तार किया गया है। पीएमएलए कानून में वर्षों तक लोगों को बंद करके रखा जा रहा है। कई वर्षों तक जांच के नाम पर विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में बंद करके रखा जा रहा है।

अदाणी पोर्ट्स की गोपालपुर पोर्ट में 95 फीसदी हिस्सेदारी

ग्रुप देश के समुद्र तट पर अपनी मौजूदगी का और विस्तार करेगा

नई दिल्ली। जीपीएल अदाणी समूह के देशव्यापी बंदरगाह नेटवर्क में शामिल होगी। अदाणी पोर्ट्स ऐंड स्पेशल इकनॉमिक जोन ने 3,080 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर गोपालपुर पोर्ट में 95 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। इससे अदाणी पोर्ट्स देश के समुद्र तट पर अपनी मौजूदगी का और विस्तार कर सकेगा। कंपनी ने बुधवार को यह ऐलान करते हुए कहा कि उसने 3,080 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर ओडिशा के गोपालपुर पोर्ट (जीपीएल) में 95 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। कंपनी के मुख्य कार्य अधिकारी करण अदाणी ने कहा कि यह (गोपालपुर पोर्ट) हमें ओडिशा तथा पड़ोसी राज्यों के खनन केंद्रों तक हमारी उपलब्धता बढ़ेगा और हमें अपने आंतरिक इलाकों में लॉजिस्टिक मौजूदगी का विस्तार करने की अनुमति देगा। कंपनी ने कहा कि उम्मीद है कि वित्त वर्ष 24 में जीपीएल (गोपालपुर पोर्ट) तकरीबन 1.13 करोड़ टन कार्गो (सालाना आधार पर 52 प्रतिशत वृद्धि) का प्रबंधन करेगी और 520 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करेगी तथा 232 करोड़ रुपये का एबिटा हासिल करेगी। कंपनी का मानना है कि गोपालपुर पोर्ट वित्त वर्ष 2025 में जोरदार बढ़ोतरी और मार्जिन विस्तार के लिए पूरी तरह तैयार है। एपीएसईजेड के अनुसार पूर्वी आंतरिक इलाकों में बड़े कच्चे इस्पात संयंत्रों की मौजूदगी से कोकिंग कोयला और चूना पत्थर के आयात को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही गोपालपुर के भीतरी इलाकों में थर्मल तटीय कोयले की आवाजाही की संभावना बढ़ेगी है। अदाणी समूह की इस कंपनी के पास पहले से ही पूर्वी तट पर धामरा और गंगावरम जैसे महत्वपूर्ण बंदरगाह हैं। कंपनी शापूरजी पलोनजी (एसपी) समूह से 56 प्रतिशत हिस्सा तथा ओडिशा स्टीवडोर्स लिमिटेड से 39 प्रतिशत हिस्सा लेकर गोपालपुर बंदरगाह में हिस्सेदारी हासिल करेगी, जो इस अधिग्रहण के बाद भी संयुक्त उद्यम में भागीदार के रूप में बनी रहेगी। यह सौदा वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है।

रिलायंस पावर की दो सब्सिडियरी कंपनियों ने कर्ज का निपटारा किया

मुंबई । रिलायंस पावर लोन चुकाने को लेकर इनदिनों काफी सक्रिय दिख रही है। रिलायंस पावर की दो सब्सिडियरी कंपनियों ने ऑथम इवेंस्टमेंट की शाखा रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस के साथ 1,023 करोड़ रुपए के कर्ज का निपटारा कर दिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि रिलायंस पावर लिमिटेड की दो सब्सिडियरी कंपनियों- कलाई पावर प्राइवेट लिमिटेड और रिलायंस क्लीनजेन लिमिटेड ने ऑथम इवेंस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) के साथ एक लोन निपटान और एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बताया कि रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस के साथ लोन एग्रीमेंट (ऋण समझौता) रिलायंस पावर की तरफ से महाराष्ट्र में अपनी 45 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना को जेएसडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी को 132 करोड़ रुपए में बेचने की घोषणा के कुछ दिन बाद आया है। कलाई पावर प्राइवेट लिमिटेड ने दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में अपनी प्रस्तावित 1,200 मेगावाट की जल-विद्युत परियोजना के विकास अधिकार टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को 128 करोड़ रुपए में बेच दिए थे। रिलायंस पावर के अधिकारी के मुताबिक, इन संपत्तियों की बिक्री से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल कर्ज चुकाने में किया गया। ऑथम इवेंस्टमेंट ने बैंकों के नेतृत्व वाली समाधान प्रक्रिया में 2022 में रिलायंस कैपिटल लिमिटेड से रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस होम फाइनेंस का अधिग्रहण किया था। रिलायंस पावर पिछले कुछ महीनों में सक्रिय रूप से डीबीएस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक सहित विभिन्न बैंकों के साथ ऋण निपटान समझौतों पर हस्ताक्षर कर रही है। खबर के मुताबिक, रिलायंस पावर का लक्ष्य 31 मार्च 2024 के आखिर तक एकल आधार पर एक ऋण-मुक्त कंपनी बनने का है। वित्त वर्ष 2023 के आखिर में कंपनी पर करीब 700 करोड़ रुपए का कर्ज बकाया था।

डिफॉल्ट होने का खतरा मंडराने लगा दुनिया के ताकतवर मुल्क पर

वाशिंगटन ।

दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका पर डिफॉल्ट होने का खतरा मंडरा रहा है। देश की डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 124 प्रतिशत पहुंच गया है। साल 1800 के बाद 52 देशों का डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 130 प्रतिशत से अधिक हुआ है। इसमें 51 देश डिफॉल्टर हो गए थे। इसकारण अमेरिका में भी तेजी से बढ़ रहे कर्ज पर चिंता जाहिर की जा रही है। जानकारों का कहना है कि नियर टर्म में अमेरिका के डिफॉल्टर होने का खतरा नहीं है, लेकिन अगर इस स्थिति को नजरअंदाज किया गया तब इसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। देश का कर्ज 34 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच गया है। हालत यह हो गई है कि इस साल अमेरिका को एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। अमेरिका का कर्ज पिछले 24 साल में छह गुना बढ़ गया है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो अब 34 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच गया है। साल 2010 में यह 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। पिछले तीन महीने में ही इसमें एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है और यह देश की जीडीपी का करीब 124 प्रतिशत है। पिछले तीन साल में ही देश का कर्ज 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक बढ़ चुका है। अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं। साफ है कि सरकार की कमाई कम हो रही है और खर्च बढ़ गया है। माना जा रहा है कि अगले कुछ साल में अमेरिका का डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 200 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। मतलब देश का कर्ज जीडीपी से दोगुना पहुंच जाएगा। अगर ऐसा हुआ, तब कर्ज चुकाते-चुकाते ही अमेरिका की इकॉनमी का दम निकल जाएगा। अमेरिका का कर्ज उस वक्त बढ़ रहा है जब देश की इकॉनमी अच्छी स्थिति में है और बेरोजगारी कम है। अगर दुनिया में सबसे ज्यादा डेट-टु-जीडीपी रेश्यो की बात करें तब इस मामले में जापान पहले नंबर पर है। वहां डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 269 प्रतिशत है। यूरोपीय देश ग्रीस दूसरे नंबर पर है। इसका डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 197 प्रतिशत है। इसके बाद सिंगापुर (165 प्रतिशत) और इटली (135 प्रतिशत) का नंबर है। पुर्तगाल, फ्रांस, स्पेन और बेल्जियम उन देशों में शामिल हैं जिनका डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 100 प्रतिशत से अधिक है। यानी इन देशों का कर्ज उनके जीडीपी से अधिक है।

भारत अगले पांच साल में कुछ और सुधार लागू कर नौ प्रतिशत की वृद्धि हासिल कर सकता है: पनगढ़िया

नई दिल्ली :

सोलहवें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने बुधवार को कहा कि भारत अगले पांच साल में कुछ और सुधारों को लागू करके वास्तविक रूप से अपनी आर्थिक वृद्धि को मौजूदा सात प्रतिशत से बढ़ाकर नौ प्रतिशत के करीब पहुंचा सकता है। पनगढ़िया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को कारोबार क्षेत्र के लिए अनुकूल स्थान बनाने को पिछले 10 साल में कड़ी मेहनत की है, इसलिए निवेश आ रहा है। एक सम्मेलन में उन्होंने कहा, आज अर्थव्यवस्था खुली है। अगले दो-तीन दशक में हम बहुत तेजी से वृद्धि कर सकते हैं। चालू वित्त वर्ष (2023-24) की तीसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी - जो पिछले डेढ़ साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा, भारत वर्तमान में सात प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। निश्चित रूप से अगले पांच साल में कुछ और सुधारों के साथ हम वास्तविक रूप से इसे नौ प्रतिशत के करीब पहुंचा सकते हैं ...और इसे कुछ दशक तक आसानी से कायम रखा जा सकता है।

उत्पादन बढ़ने से जीरे की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली । पिछले साल जीरे की महंगाई से परेशान उपभोक्ताओं को साल 2024 में राहत मिल रही है। जीरे का उत्पादन बढ़ने से इसकी कीमतों में गिरावट आ रही है। इस महीने जीरे के भाव 10 फीसदी से ज्यादा गिर चुके हैं। बताया जा रहा हैं कि जीरे की कीमतों में आगे भी सुस्ती रह सकती है। पिछले साल जीरे के भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच कर 65 हजार रुपये प्रति क्विंटल पार कर गए थे। इस माह जीरे के भाव में सुस्ती देखने को मिल रही है। बीते 15 दिन से जीरे के भाव लगातार गिर रहे हैं। कमोडिटी एक्सचेंज नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर 11 मार्च को जीरे के अप्रैल अनुबंध ने 26,540 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर छुआ था। इसके बाद यह अनुबंध गिरकर आज 23,415 रुपये प्रति क्विंटल पर दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस तरह बीते 15 दिन में जीरे के वायदा भाव 10 फीसदी से ज्यादा घट चुके हैं। इस दौरान जीरा की अहम मंडी ऊंझा में जीरे के थोक भाव 26,500 रुपये से घटकर 24,500 रुपये प्रति क्विंटल रह गए हैं। इस साल जीरे के उत्पादन में काफी वृद्धि होने का अनुमान है। कारोबारी अनुमान के मुताबिक इस साल देश में 90 से 95 लाख बोरी जीरे का उत्पादन हो सकता है। पिछले साल 55 से 60 लाख बोरी (55 किलो)उत्पादन हुआ था। इस तरह इस साल जीरे के उत्पादन में 60 फीसदी से ज्यादा इजाफा हुआ है। कमोडिटी जानकारों के अनुसार जीरा सस्ता होने की वजह उत्पादन बढ़ने के कारण जीरे की आवक बढ़ना है। इस साल जीरे का उत्पादन काफी ज्यादा हुआ है और इस समय जीरे की आवक जोरों पर हैं। इसलिए आवक बढ़ने से जीरे के दाम गिर रहे हैं।इस महीने 25 मार्च तक मंडियों में 68,513 टन जीरे की आवक हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि में हुई 53,179 टन आवक से 28.83 फीसदी ज्यादा है। मुख्य उत्पादक राज्य गुजरात में आवक में करीब 30 फीसदी और राजस्थान में करीब 20 फीसदी इजाफा हुआ है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 536 अंक, निफ्टी 119 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी बाजार में ये उछाल रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और मारुति जैसे शेयरों में तेजी से आया है। आज के कारोबार में व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.1 फीसदी बढ़ा और बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 0.7 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 526.01 अंक करीब 0.73 फीसदी बढ़कर 72,996.31 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 118.95 अंक तकरीबन 0.54 फीसदी की बढ़कर दिन के अंत में 22,123.65 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज में सबसे ज्यादा 3.50 फीसदी की बढ़त रही। इसी कारण सेंसेक्स में भी तेजी आई। इसके अलावा मारुति, बजाज फाइनेंस, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी लाभ में रहे। दूसरी ओर विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और टाटा मोटर्स के शेयर गिरे हैं।

वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिश्रित रुख रहा। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में भी गिरावट दर्ज की गयी। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक ने जमकर खरीददारी की। इन्होंने 10.13 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 222 अंक ऊपर आकर 72,692 पर खुला और थोड़ी देर में ही यह 175 अंक उछलकर 72,650 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 64 अंक ऊपर बढ़कर 22,069 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। आज कारोबार करने के दौरान निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस के शेयर एक फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा मारुति, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी ओर डब्ल्यूप्रो, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे आये हैं। शुरुआती कारोबार में व्यापक सूचकांकों में भी बढ़त दर्ज की गयी। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी जबकि स्मॉलकैप 0.7 फीसदी ऊपर आया।

पैसा कर लें जमा.....बंपर कमाई का मौका देने जा रहा टाटा ग्रुप

कई कंपनियों के आईपीओ लाने पर विचार

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप कई कंपनियों के आईपीओ लाने पर विचार कर रहा है। इसमें टाटा कैपिटल, टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी कई कंपनियां शामिल हैं। रतन टाटा का टाटा समूह पिछले दो दशकों में सिर्फ एक इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के बाद, अगले दो से तीन सालों में कई पब्लिक इश्यू लाने की तैयारी कर रहा है। मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, टाटा कैपिटल, टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बिगबास्केट, टाटा डिजिटल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा हाउसिंग और टाटा बैटरी उन कंपनियों की लिस्ट में शामिल हैं, जिनके आईपीओ लाने पर विचार किया जा रहा है। टाटा ग्रुप डिजिटल, रिटेल, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी जैसे नए युग के सेक्टरों में आक्रामक रूप से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। पिछले साल नवंबर में टाटा टेक्नोलॉजीज ने 3,000 करोड़ का पब्लिक इश्यू लांच किया था। यह साल 2004 में भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा निर्यातक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाद ग्रुप की पहली पब्लिक पेशकश थी। टाटा टेक एक ऑफर-फॉर-सेल था, जिसके माध्यम से टाटा मोटर्स ने 2,314 करोड़ जुटाए थे। जबकि अल्फा टीसी होल्डिंग्स और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड ने क्रमशः 486 करोड़ और 243 करोड़ के शेयर बेचे। आईपीओ को 69 गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया था। वहीं लिस्टिंग पर, शेयर ऑफर प्राइस से 165 फीसदी बढ़ गया था। इससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा हुआ था। टाटा समूह ने 2022 की अंतिम तिमाही में 2027 तक उभरते उद्योगों में 90 बिलियन का निवेश करने की योजना की घोषणा की थी। इसमें मोबाइल कंपोनेंट्स, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, नवीकरणीय ऊर्जा और ईकॉमर्स शामिल हैं। टाटा संस की वित्त वर्ष 23 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रुप ने पूंजी, विकास और बैलेंस शीट को कम करने की जरूरतों के आधार पर नए और मौजूदा व्यवसायों में निवेश किया है।

सोने में तेजी, चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव हुआ है। सोने की कीमतों में तेजी आई है जबकि चांदी के दाम गिरे हैं। वहीं वायदा कीमतों में भी आज बढ़त रही। चांदी के वायदा भाव नीचे आये हैं। चांदी के वायदा भाव 74,450 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। सोना 61,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। जबकि सोने के वायदा भाव में भी बढ़त रही। सोने के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 85 रुपये की बढ़त के साथ ही 66,198 रुपये पर खुला। सोने का वायदा भाव गत सप्ताह 66,943 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्सा पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध 31 रुपये टूटकर 74,487 रुपये के भाव पर खुला। इस समय ये इतने 74,493 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 74,400 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन के निचले स्तर पर था। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर महीने में चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये किलो के भाव पर पहुंच गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की आज शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,200.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 2,199.20 डॉलर था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.59 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.62 डॉलर था।

बीते एक साल में मकान बनाना हुआ 30 प्रतिशत मंहगा

नई दिल्ली ।

कोरोना काल समाप्त होने के बाद मकान बनाने से जुड़ी चीजों की कीमतें बढ़ने से यह महंगा हुआ था। अब रिपोर्ट आई है जिसमें बताया गया कि देश के शीर्ष 13 प्रॉपर्टी मार्केट में निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं की कीमतें 30 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ गई हैं। मकान की कीमतों में बढ़ोतरी मांग में वृद्धि के कारण हुई है। यह आंकड़ा इस साल जनवरी और मार्च के बीच का है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की पहली तिमाही मतलब जनवरी से मार्च के बीच मकान की कीमतें 30.6 फीसदी बढ़ी हैं। दरअसल कोरोना काल बीत जाने के बाद दफ्तर पूरी तरह से खुल चुके हैं। लोगों को जबरन अपने गांव-कस्बे छोड़ कर वापस शहर लौटना पड़ा है। अचानक मकान की डिमांड बढ़ने से किराया बढ़ गया। बढ़े किराये के बीच लोगों ने सोचा कि जितना किराया दे रहे हैं, उतना ही ईएमआई देकर मकान क्यों नहीं खरीद लिया जाए। इसकारण मकान की कीमतें अचानक चढ़ गई।

रिपोर्ट के मुताबिक इस साल पहली तिमाही के दौरान निर्माणाधीन संपत्तियों की मांग 7.8 प्रतिशत बढ़ी। इस वजह से इनकी कीमतों में 1.7त्न कर इजाफा हुआ। इस दौरान नोएडा और ग्रेटर नोएडा जैसे शहरों में क्रमशः 7.1 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत की तिमाही मूल्य वृद्धि देखी गई। जबकि बेंगलुरु और मुंबई में 5.7 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि देखी गई।

खरीदार की पहली पसंद रेडी टू मूव मकान

रिपोर्ट के मुताबिक इस समय लोगों की पसंद अंडर कंस्ट्रक्शन हाउस नहीं बल्कि रेडी टू मूव हाउस है। इससे पहले लोग अंडर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट पर भी आसानी से भरोसा कर लेते थे। इस समय जबकि मकान खरीदना महंगा हो रहा है, तब छोट मकान यानी 3बीएचके फ्लैट की डिमांड ज्यादा है। पिछले साल अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही के दौरान दो कमरों वाले फ्लैट की हिस्सेदारी 32 फीसदी थी। अब यह बढ़कर 42 फीसदी हो गई है। मतलब कि उनके दायरे में बढ़े फ्लैट नहीं रहे ,तब छोटे फ्लैट को ही खरीदना शुरू कर दिया।

देश भर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव हुआ

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव हुआ है। आज कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 24 पैसे की बढ़त रही जिसके बाद यहां पेट्रोल 104.37 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है जबकि डीजल के दाम 23 पैसे बढ़े हैं और यह 90.89 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, बिहार में पेट्रोल 19 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर हो गया है जबकि डीजल 18 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, हिमाचल, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान,तेलंगाना और यूपी में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की गई है। वहीं, गुजरात, झारखंड, केरल, मध्यप्रदेश, मणिपुर, तामिलनाडु और त्रिपुरा में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी हैं। प्रदेश के नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम्-पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर पर हैं। बेंगलुरु में पेट्रोल 99.82 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़्-पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर। हैदराबाद्-पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर- पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर पर है। पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ- पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर पर है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर है। वहींकोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर है। वहीं. चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है।

भारत मंडपम में 27-28 मार्च को खेती की तकनीकी चुनौतियों और डिजिटाइजेशन की पहल पर होगी चर्चा

नई दिल्ली।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 27 -28 मार्च को आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ जानकार विचार-विमर्श करेंगे। कृषि क्षेत्र विस्तार को लेकर कई सालों से बातचीत हो रही है और बहस भी लंबे समय से वैचारिक सीमाओं में फंसी हुई हैं। इससे सामान्य हल ढूंढ़ना मुश्किल हो गया है। इस के चलते नई दिल्ली के भारत मंडपम दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमे भारत में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ जानकार अपने-अपने विचार व्यक्त करेंगे। वर्ष 2047 में विकसित भारत में कृषि की भूमिका पर पैनल 28 मार्च को चर्चा करेगा। इसमें देश के कृषि क्षेत्र और इसके भविष्य के प्रभाव की समीक्षा की जाएगी। नीति आयोग के सदस्य एवं कृषि अर्थशास्त्री रमेश चंद, कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी, किसानों का प्रतिनिधित्व करने वाले भारत कृषक समाज के चेयरमैन अजय वीर जाखड़ इस नामचीन पैनल में शामिल होंगे।

यह पैनल न्यूनतम समर्थन मूल्य के कानूनी गारंटी की मांग, खेती के समक्ष बढ़ती जलवायु संबंधी चुनौतियों, कई फसलों की पैदावार में गिरावट व स्थिरता, सीमित संसाधनों के साथ देश की बढ़ती आबादी को भोजन मुहैया कराने की चुनौती, खेती की तकनीकी चुनौतियों और डिजिटाइजेशन की पहल पर चर्चा करेगा। बीते वर्षों में इस चुनौती का हल ढूंढ़ना कई अर्थशास्त्रियों व टिप्पणीकारों के लिए मुश्किल हो गया है। लोगों को खेती बाड़ी छोड़कर अन्य कौशल वाली नौकरियों में जाने के लिए प्रोत्साहित करना है और इसके लिए ग्रामीण गैर कृषि क्षेत्र में पर्याप्त निवेश करने की जरूरत है। इसके अलावा खेती को उत्पादक और फसल पैदा करने वालों के लिए लाभकारी बनाना है।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश की करीब 55 फीसदी जनसंख्या कृषि और उससे संबद्ध गतिविधियों में जुड़ी हुई है। इसलिए 2047 के विकसित भारत के रास्तों को खेतों से होकर गुजरना होगा। एक यह भी तथ्य है कि हाल के वर्षों में देश में खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों की सालाना सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी कम हो गई है जबकि खेती पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी आबादी की निर्भरता इस अनुपात में कम नहीं हुई है।

भारतीय स्टार्टअप कंपनियों की फंडिंग में 20 फीसदी की गिरावट

- भारत पहली तिमाही में जुटाई फंडिंग के आधार पर विश्व में चौथे स्थान पर

नई दिल्ली।

क्रमिक आधार पर एक तिमाही पहले के 2 अरब डॉलर के मुकाबले फंडिंग में 20 फीसदी की गिरावट आई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका, चीन और ब्रिटेन के बाद भारत पहली तिमाही में जुटाई गई फंडिंग के आधार पर विश्व में चौथे स्थान पर रहा। वर्ष 2024 की पहली तिमाही में भारतीय स्टार्टअप कंपनियों के लिए फंडिंग एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 29 फीसदी कम होकर 1.6 अरब डॉलर रह गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फंडिंग में मंदी और आर्थिक उतार-चढ़ाव के बाद भी भारत का प्रौद्योगिकी स्टार्टअप परिवेश अभी भी दुनिया भर में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले प्रौद्योगिकी परिवेश में से एक है। भारत का मजबूत प्रौद्योगिकी परिवेश और जनसांख्यिकीय लाभ उज्ज्वल भविष्य का वादा करते हैं और वैश्विक तकनीक दिग्गज के रूप में स्थिति और मजबूत करते हैं।' पहली तिमाही में खुदरा, फिनटेक और एंटरप्राइज ऐप्लिकेशन क्षेत्र की कंपनियों ने सबसे ज्यादा रकम जुटाई। खुदरा क्षेत्र की कंपनियों ने 49.4 करोड़ डॉलर जुटाई, जो पिछली तिमाही की तुलना में 34 फीसदी कम है। एंटरप्राइज ऐप्लिकेशन क्षेत्र की कंपनियों को 44.8 करोड़ डॉलर मिले। यह पिछले तिमाही के 30.2 करोड़ डॉलर के मुकाबले 48 फीसदी अधिक हैं। फिनटेक को 42.9 करोड़ डॉलर मिले, जो पिछली तिमाही के 28.9 करोड़ डॉलर से 48 फीसदी ज्यादा है। पहली तिमाही में भारतीय कंपनियों ने 1.6 अरब डॉलर जुटाए हैं। शैडोफॉक्स और क्रेडिट सैसन ने सबसे ज्यादा रकम जुटाई है। दोनों कंपनियों ने मिलकर 10 करोड़ डॉलर से अधिक की रकम हासिल की है। कैपिलरी, रेंटोमोजो और कैप्टन फ्रेश अन्य ऐसी स्टार्टअप कंपनियां हैं जो फंडिंग हासिल करने में शीर्ष स्थान पर हैं। पहली तिमाही में दो नए यूनिकॉर्न बने हैं। जिन स्टार्टअप कंपनियों का मूल्यांकन 1 अरब डॉलर से अधिक होता है उन्हें यूनिकॉर्न कहा जाता है। पहली तिमाही में यूनिकॉर्न बनी कंपनियों में फिनटेक फर्म पेरिफियोज और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञ कृत्रिम का नाम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

शुभमन पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

चेन्नई । आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल पर जुर्माना लगा है। शुभमन पर ये जुर्माना उनकी टीम की चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। गुजरात टाइटंस को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा था। अब जुर्माना लगने से उसकी मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। आईपीएल की ओर से इस मामले में कहा गया, न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह गुजरात टीम का सत्र का ये पहला अपराध था, इसलिए शुभमन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना ही लगाया गया है। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम के लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज विफल रहे। शुभमन भी इस मैच में रन बनाने में असफल रहे और शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। गुजरात टाइटंस अब तक इस टूर्नामेंट में एक जीत और एक हार के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर फिसल गयी है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

जयपुर ।

आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स गुरुवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। दिल्ली कैपिटल्स को अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब उसका लक्ष्य जीत की राह पर लौटन रहेगा। इस मैच में कप्तान ऋषभ पंत भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। मैदान पर वापसी करते हुए पहले मैच में वह अधिक रन तो नहीं बना पाये थे पर वह अच्छी लय में दिखे थे। पहले मैच में उनकी विकेकीपिंग भी अच्छी थी जिससे पता चलता है कि वह अब पहले की तरह ही फिट हो गये हैं।

टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने पहले मैच में डेविड वार्नर और मिशेल मार्श को पारी की शुरुआत के लिए भेजा था पर ये दोनो ही बड़ा स्कोर नहीं बना पाये थे। जिससे मध्यक्रम पर दबाव आ गया था।

विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने हालांकि नाबाद 32 रन की तेजतर्रार पारी खेली जिससे दिल्ली की टीम नौ विकेट पर 174 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। पोरेल को 'इंपेक्ट प्लेयर के रूप में उतारा गया था। इससे दिल्ली के पास एक गेंदबाज कम हो गया। इसके बाद इशांत शर्मा का टखना मुड़ने से टीम की परेशानी बढ़ गयी थी।

इस मैच में कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी से भी टीम को अच्छी उम्मीद रहेंगी। वहीं दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन के नाबाद 82 रनों की सहायता से मुकाबला जीत लिया था।

रॉयल्स के रेयान पराग भी अच्छी लय में नजर आए हैं। रॉयल्स के शीर्ष चार बल्लेबाज दिल्ली के गेंदबाजी क्रम के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाकर दबाव बनाने का प्रयास करेंगे। ऐसे में देखना होगा कि दिल्ली के स्पिनर कुलदीप और अक्षर पटेल किस प्रकार विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगा पाते हैं। भूमिका अहम होगी। रॉयल्स के गेंदबाज भी अब तक अच्छी लय में नजर आये हैं। रॉयल्स के बोल्ट के अलावा संदीप शर्मा ने भी डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। दिल्ली की बल्लेबाजी वार्नर, मार्श के अलावा ऋषभ पर अधारित रहेगी। वहीं राजस्थान के पास जोस बटलर, यशस्वी जयसवाल और सैमसन के अलावा युवा ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाज हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा।

दोनो ही टीमों के अंतिम ग्यारह खिलाड़ी इस प्रकार हैं।

राजस्थान रॉयल्स = संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), जोस बटलर, यशस्वी जयसवाल, रियान पराग, शिम्रोन हेटमायर, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, नंद्रे बर्गर, अवेश खान, युजवेंद्र चहल

दिल्ली कैपिटल्स = ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, शाई होप, रिकी भुई, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, सुमित कुमार, कुलदीप यादव, ईशांत शर्मा, खलील अहमद

विराट को टी20 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिलने जैसी बातें आधारहीन : फिंच

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अगामी टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह नहीं मिलने की बात को गलत बताया है। फिंच का कहना है कि इस प्रकार की बातें विराट जैसे महान बल्लेबाज के लिए करना सही नहीं है। फिंच ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि जब आईसीसी का इवेंट आ रहा है तो लोग विराट के बारे में क्यों बात कर रहे हैं। विराट को टीम में जगह मिलेगी या नहीं जैसी बातें सुनकर किसी को भी अच्छा नहीं लगेगा। इसका कारण है कि वह अब भी सफेद गेंद के क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। फिंच ने विराट की आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली गयी शानदार पारी की बात करते हुए कहा कि इससे साबित होता है कि वह शानदार फार्म में हैं। विराट ने इस मैच में कुल 77 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 49 गेंदों पर 11 चौके और 2 छक्के भी लगाए थे। इससे साफ है कि वह आगामी टी20 विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। इसके बाद भी अगर उन्हें टीम में जगह नहीं मिलती तो ये चयन समिति का सबसे गलत फैसला होगा। फिंच ने ये बातें ऐसे ही नहीं कहीं। इसके पीछे एक आधार भी है। कोहली ने अब तक भारत की कोर से कुल 117 टी20 मुकाबले खेलते हुए 2922 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 138 का रहा है।

नियामी में अमेरिका की मारिया सकारी बैकहैंड शॉट लगाती हुई।

एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने महिला एशिया कप 2024 के लिए कार्यक्रम घोषित किया

8 टीमें भाग लेंगी, भारत और पाक एक ही ग्रुप में

दुबई ।

श्रीलंका में होने वाले महिला टी20 एशिया कप 2024 के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने इसका कार्यक्रम घोषित करते हुए कहा कि इसका शुरुआती मुकाबला 19 जुलाई को जबकि फाइनल 20 जुलाई को खेला जाएगा। इसमें भारत और पाकिस्तान की टीमों को एक ही समूह में रखा गया है।

इस साल इसमें कुल 8 टीमें भाग लेंगी जबकि पिछले सत्र में इसमें 7 टीमों ने ही भाग लिया था।

शाह ने कहा, इस टूर्नामेंट में प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। साथ ही कहा कि इससे महिला क्रिकेट को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कहा कि इस क्षेत्र में लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा से हम उत्साहित हैं।

इसमें भारत और पाक के बीच मुकाबला 21 जुलाई को खेला जाएगा। इसमें ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, नेपाल और यूएई जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें रखी गयी हैं।

एशिया कप का कार्यक्रम

- पाकिस्तान बनाम नेपाल- 19 जुलाई शुक्रवार
- भारत बनाम यूएई- 19 जुलाई शुक्रवार
- मलेशिया बनाम थाईलैंड- 20 जुलाई शनिवार
- श्रीलंका बनाम बांग्लादेश- 20 जुलाई शनिवार
- नेपाल बनाम यूएई- 21 जुलाई रविवार
- भारत बनाम पाकिस्तान- 21 जुलाई रविवार
- श्रीलंका बनाम मलेशिया- 22 जुलाई सोमवार
- बांग्लादेश बनाम थाईलैंड- 22 जुलाई सोमवार
- पाकिस्तान बनाम यूएई- 23 जुलाई मंगलवार
- भारत बनाम नेपाल- 23 जुलाई मंगलवार
- बांग्लादेश बनाम मलेशिया- 24 जुलाई बुधवार
- श्रीलंका बनाम थाईलैंड- 24 जुलाई बुधवार
- सेमीफाइनल 1- 26 जुलाई शुक्रवार
- सेमीफाइनल 2- 26 जुलाई शुक्रवार
- फाइनल- 28 जुलाई रविवार

संक्षिप्त समाचार

बजरंग सहित कई खिलाड़ियों को मिलती रहेगी वित्तीय सहायता : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय ने पहलवान बजरंग पूनिया सहित कई खिलाड़ियों के वित्तीय सहायता के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। बजरंग को को पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं करने के बाद भी वित्तीय सहायता मिलती रहेगी। इसके अलावा उनके कोच का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। बजरंज ने इस मामले में खेल मंत्रालय ने अनुरोध किया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है। बजरंग हाल में पेरिस ओलंपिके के लिए आयोजित ट्रायल्स में 65 किग्रा भार वर्ग में शीर्ष चार पहलवानों में जगह नहीं बना पाये थे। खेल मंत्रालय ने कहा, 'मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने पहलवान बजरंग पूनिया के वित्तीय सहायता प्रदान करने तथा अपने कंडीशनिंग कोच का कार्यकाल मई के अंत तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने हालांकि यह नहीं बताया कि कितनी धनराशि मंजूर की गई है। पूनिया के अलावा मंत्रालय ने टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला के ओलंपिक से पहले चीनी ताइपे में अभ्यास करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के अनुरोध को भी मान लिया है। खेल मंत्रालय ने ये भी कहा कि जूडो खिलाड़ी तूलिका मान को तुर्की के अंताल्या में एक प्रतियोगिता में भाग लेने और उसके बाद वहीं पर अभ्यास करने के लिए वित्तीय सहायता भी मिलेगी।

सीएसके सभी को अपने अनुसार खेलने की आजादी देती है : शिवम

चेन्नई । आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस पर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज शिवम दुबे ने इसका श्रेय अपनी टीम को दिया है। शिवम ने कहा कि सीएसके अन्य टीमें से अलग है क्योंकि वह अपनी खिलाड़ियों को आजादी से खेलने देती है। इससे सभी खिलाड़ी अपने अनुसार खेल सकते हैं जिससे वे सहज अनुभव करते हैं। शिवम ने मैच के बाद कहा, ये फ्रेंचाईजी सबसे अलग है। इस टीम ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। मैं भी यही चाहता हूं कि मैं अपनी टीम को जीत हासिल करने में सहायता करुं। मैं उसी तरीके से काम कर रहा हूं और यह मेरे लिए काफी सहायक भी रहा है। मुझे पता है कि वो शार्ट बॉल करेंगे। जिसके लिए मैं पहले से तैयार था। सीएसके प्रबंधन चाहता हैं कि मैं बहुत तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करूं और मैं भी यही करना चाहता हूं। शिवम ने गुजरात के खिलाफ इस मैच में 23 गेंद पर 2 चौके और 5 छक्के की मदद से 51 रन की पारी खेली थी। वहीं इसके बाद डेरेल मिचेल और फिर युवा समर रजवी ने तेज पारी खेल स्कोर को 206 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2024 के पहले मैच में भी शिवम ने अच्छी पारी खेली थी। तब उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 28 गेंदों में 34 रन बनाए थे।

भारत-पाक द्विपक्षीय सीरीज की मेजबानी करना चाहता है सीएः रोच

सिडनी ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान को आपस में द्विपक्षीय सीरीज खेलते हुए देखना चाहते है और इसके इसके लिए मेजबान बनने को भी तैयार है। सीए ने कहा कि अगर दोनो ही देशों के क्रिकेट बोर्ड द्विपक्षीय सीरीज खेलने के लिए तैयार होते हैं तो हम मेजबानी के लिए तैयार हैं। हमें इसमें खुश होगी। भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 के बाद से ही कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है और दोनों देश केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सीए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक पीटर रोच ने कहा कि सीए भारत और पाकिस्तान के बीच मैच की मेजबानी करने के लिए तटस्थ स्थल बनने के लिए तैयार है। रोच ने कहा, हम हमेशा इन दोनो के बीच मैचों के पक्ष में हैं क्योंकि दुनिया का हर देश भारत और पाक को अपने देश में प्रतिस्पर्धा करते देखना पसंद करेगा। उन्होंने कहा कि साल 2022 में एमसीजी में इन दोनो के बीच टी20 विश्व कप मुकाबले के टिकट पांच मिनट के भीतर बिक गए थे जिससे 90,000 से अधिक प्रशंसक आकर्षित हुए। इसी तरह 2015 में एडिलेड में हुई भिड़ंत भी काफी चर्चित रही थी। इससे पता चलता है कि भविष्य में पाकिस्तान-भारत मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया एक आदर्श तटस्थ स्थल हो सकता है। सीए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने भी द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए दो एशियाई देशों की मेजबानी करने की इच्छा दोहराई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जो कोई भी एमसीजी में भारत-पाकिस्तान मैच के लिए यहां आया था, वह इसे सबसे यादगार अवसरों में से एक के रूप में याद रखेगा, न कि केवल खेल के अवसरों में, जहां मैं कभी गया हूं। अगर अवसर मिला तो हम इसकी मेजबानी करना पसंद करेंगे यदि हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हमें अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि हम दोनो ही देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच एक पुल बनना चाहते हैं।

CRICKET AUSTRALIA

रुतुराज सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल

जडेजा को पीछे छोड़ा

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 46 रनों की अपनी पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। रुतुराज अब आईपीएल में सीएसके के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले सातवें खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया है। रुतुराज ने 127.78 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। उन्होंने सीएसके की ओर से 54 आईपीएल मैचों में 38.70 की औसत और 134.93 की स्ट्राइक रेट से 1,858 रन बनाए हैं। 53 पारियों में उन्होंने एक शतक और 14 अर्धशतक लगाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 101 रन है। वहीं दूसरी ओर सीएसके के लिए 174 मैचों में जडेजा ने 25.97 की औसत और 137.1 के स्ट्राइक रेट से दो अर्धशतकों के साथ 1,818 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 62 है। सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज सुरेश रैना हैं। रैना ने 200 मैचों में खेली गई 195 पारियों में 33.10 की औसत और 138.91 की स्ट्राइक रेट से 5,529 रन बनाए जिसमें दो शतक और 38 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 109 रन है। इसके अलावा सीएसके के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले अन्य खिलाड़ियों में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के नाम 246 मैचों में 38.72 की औसत और 137.80 की स्ट्राइक रेट से 4,957 रन और फाफ डु प्लेसिस के नाम 100 मैचों में 34.90 के औसत और 132.07 के स्ट्राइक रेट के साथ 21 अर्द्धशतक सहित 2,932 रन हैं।

मुझे धोनी ओर रुतुराज दोनो की ओर ही देखना पड़ता था : चाहर

चेन्नई । आईपीएल 2024 में इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी नये बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ कर रहे हैं। इसके बाद भी टूर्नामेंट में अब तक हुए मुकाबलों में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ही कप्तानी करते दिखे। इसी कारण कैमरामैन भी नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की जगह बार-बार धोनी को ही दिखा रहे थे। अब इसको लेकर वीरेंद्र सहवाग और सुरेश रैना ने कमेंट किये हैं। मैच के बाद तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने भी इसको लेकर एक मजेदार बयान दिया है। चाहर ने कहा कि उन्हें मैच के दौरान निर्देशों के लिए धोनी और रुतुराज दोनों की ओर ही देखना होगा। गुजरात टाइटंस पर मिली जीत के बाद जब महान क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर सुनील गावस्कर ने चाहर से पूछा कि वह फील्डिंग डायरेक्शन के लिए किसकी ओर देखते हैं , धोनी या गायकवाड़ तब चाहर ने मुस्कुराते हुए कहा, मुझे आजकल फील्ड जमाने और गेंदबाजी बदलाव के लिए धोनी और रुतुराज दोनों की ओर देखना होता है, इसलिए थोड़ा संशय रहता है कि कहां देखा जाए, हालांकि रुतुराज अच्छी कप्तानी कर रहे हैं और वह आगे बढ़ रहे हैं।

डी कॉक सहित कई दिग्गजों को नहीं मिला क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका का अनुबंध

बर्गर और टोनी को पहली बार अनुबंध सूची में मिली जगह

जोहान्सबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड ने सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक और तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने डी कॉक और नॉर्टजे के साथ ही वेन पार्नेल, कीगन पीटरसन और सिसंडा मगाला को भी अनुबंध से बाहर कर दिया है। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज टोनी डी ज़ोरजी को पहली बार अनुबंधित किया गया है। एंडिले फेहलुकवायो को अनुबंधित किया गया है , इसके साथ ही तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को भी अनुबंध सूची में बनाये रखा है।

नॉर्टजे ने सितंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय प्रारूप में अंतिम बार खेला था। इसके बाद से ही वह फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर चल रहे थे। वहीं पिछले हफ्ते अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए दिल्ली कैपिटल्स टीम में भी देर से शामिल हुए थे। सीएसए के क्रिकेट निदेशक हनोक एनकेवे ने बताया कि वह अगले कुछ महीनों के लिए टी20 क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। वह साल के अंत में फिर से एकदिवसीय क्रिकेट खेलेंगे।

वहीं, डी कॉक ने पिछले साल विश्व कप के समापन के बाद से एकदिवसीय प्रारूप को अलविदा कह दिया था। वह भारत के खिलाफ सीरीज भी नहीं खेल पाये थे। वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने लगे। वह रन बनाने के लिए भी संघर्ष करते दिखे और छह पारियों में केवल 104 रन ही बना पाये। एनकेवे ने कहा कि डीकॉक टी20 विश्व कप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

2024,25 सत्र के लिए अनुबंधित क्रिकेटर हैं।

टेम्बा बावुमा, नंद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी जोरजी, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, कैगिसो रबाडा , रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और रासी वैन डेर डूसन।

प्रोटियाज महिला अनुबंध टीम 2024/25= एनेके बॉश, तज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, लारा गुडॉल, अयांदा ह्लुबी, सिनालो जाफ्ता, मारिज़ैन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज़-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, क्लो ट्रायोन, डेल्मी टकर और लौरा वोल्वार्ड्ट।

धोनी ने कहा था अपना स्वाभाविक खेल खेलो : समीर रिजवी

चेन्नई । गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक पारी खेलने वाले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के नये बल्लेबाज समीर रिजवी अपने प्रदर्शन से खुश हैं। समीर ने इस मैच में छह गेंदों में 14 रन बनाये थे। उन्होंने मैच के बाद कहा कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने और दबाव में नहीं आने को कहा था। समीर ने कहा कि इससे उनका हौंसला बढ़ा था। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी के लिए उतरते समय वह किसी भी गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के लिए तैयार थे। रिजवी ने कहा कि वह सीएसके द्वारा चुने जाने से खुश हैं क्योंकि धोनी से मिलना उनका जीवन भर का सपना था। उन्होंने कहा, जब नीलामी हुई, सीएसके ने मुझे चुना, मैं खुश था क्योंकि धोनी से मिलना एक सपना था जो पूरा हुआ था, उनके साथ खेलना तो दूर की बात है। यह पूरा हो गया है। मुझे उनसे और स्टाफ से बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं सीखने की कोशिश कर रहा हूं। जितना संभव हो उतना अच्छा करो। धोनी की सलाह को याद करते हुए रिजवी ने कहा कि उन्होंने मुझे अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए कहा था। रिजवी ने कहा, उन्होंने मुझे वैसे ही खेलने के लिए कहा है जैसे मैं खेलता हूं, उन्होंने मुझे बताया कि खेल वही है, कौशल वही है पर मानसिकता अलग है। उन्होंने मुझे दबाव महसूस न करने और स्थिति के अनुसार खेलने के लिए कहा है। उन्होंने मुझे पहले मैच में भारी भीड़ के सामने अपनी घबराहट पर नियंत्रण रखने को कहा था। अपने जर्सी नंबर के बारे में रिजवी ने कहा कि वह मूल रूप से सात नंबर पहनते थे पर उन्हें नंबर एक से ही संतुष्ट होना पड़ा क्योंकि उनका पसंदीदा नंबर पहले से ही धोनी के अलावा कोई और नहीं इस्तेमाल कर रहा था। उन्होंने कहा, मेरी जर्सी का नंबर 7 है। मुझे यह नहीं मिल सका। इसलिए मुझे जर्सी नंबर एक मिला।

सैर कर दुनिया की

सैर के इस रस को समझते हुए ही इस्माइल मेरठी ने कहा सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहां जिंदगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहां और बाद में महापंडित बने राहुल सांकृत्यायन इससे ऐसे प्रभावित हुए कि घर-बार सब छोड़ कर दुनिया घूमने ही निकल पड़े। फिर घूमने पर लिखना शुरू किया तो पूरा घुमक्कड़ शास्त्र ही लिख डाला। क्यों घूमें, कब घूमें, कैसे घूमें, आदि-आदि ऐसे बहुतेरे सवालों के सटीक जवाब राहुल ने घूमते-घूमते ही दिए हैं। हालांकि तब से लेकर अब तक समय के साथ परिस्थितियां और परिवेश सभी बिलकुल बदल चुके हैं। पर्यटन की व्यवस्था प्रशिक्षित और कुशल हाथों में जा चुकी है। अब कहीं भी आने-जाने के लिए कोई खास मौसम नहीं रह गया है। कभी भी कहीं भी जाया जा सकता है। हर जगह ठहरने-खाने के लिए हर तरह की व्यवस्था है। आप खास तौर से पर्यटन के रोमांच पक्ष का मजा लेने के लिए ही निकलना चाहें तो अलग बात है, वरना कभी बहुत मुश्किल समझी जाने वाली जगहों के लिए भी अब आसानी से सवारियां उपलब्ध हो जाती हैं।

तो जाहिर है, कीमत कम या ज्यादा भले हो, पर सैर-सपाटा अब पहले की तरह मुश्किल बात नहीं रही। हमारी कुशलता इस बात में है कि समय के साथ मिली सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। कम से कम जो कीमत हम दे रहे हैं, उसका अधिकतम रिटर्न तो हासिल कर ही लें। जरा सोचिए, पर्यटन का असली हासिल क्या हो सकता है, न्यूनतम या अधिकतम जो कुछ भी है, सैर-सपाटे का असली हासिल तो है पूर्वाग्रहों से मुक्ति। जैसा कि अमेरिकी व्यंग्यकार मार्क ट्वेन कहते हैं घूमना बहुत घातक है दुराग्रहों, कट्टरता और कूप मंडूकता के लिए।

जब निकलना हो सैर पर

इसलिए जब घूमने निकलना हो तो पूर्वाग्रहों से मुक्ति की तैयारी पहले कर लें। सबसे पहले तो यह जरूरत घुमक्कड़ी के संदर्भ में ही है। पर्यटन के कार्पोरेटीकरण के इस दौर में आम तौर पर होता यह है कि लोग अपने ढंग से अलग.अलग फ्लाइट और होटल बुकिंग करा कर घूमने के बजाय किसी एजेंसी का पैकेज ले लेते हैं। इन पैकेजों में घूमने के लिए शहर तो तय होते हैं, पर शहरों या उनके आसपास जगहें कौन-कौन सी दिखाई जाएंगी यह पहले से तय नहीं होता है। कई बार तय करके भी नहीं दिखाया जाता और कई बार ट्रैवल एजेंट किसी जगह की बहुत मशहूर चीजों को ही आपकी आइटेनरी में दर्ज कर देते हैं। इसलिए जब आप पैकेज फाइनल करने निकलें तो इन सब बातों का पूरा खयाल रखें।

किन शहरों में वे कौन-कौन सी दर्शनीय चीजें दिखाएंगे और वहां के लोकजीवन को देखने-समझने के लिए वह आपको कितना वक्त देंगेए यह सब पहले से तय कर लें। क्योंकि दूर देश में जो चीजें छूट जाएंगी, बाद में मालूम होने पर उन्हें न देख पाने की कसक उम्र भर बनी रहेगी और अगर आप उन्हें फिर देखना ही चाहें तो इसके लिए आपको दुबारा पूरा किराया-भाड़ा खर्च करना पड़ेगा। यह बात भी याद रखें कि सभी क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी मोलभाव की पूरी गुंजाइश होती है। कम से कम धन में ज्यादा से ज्यादा फायदा पाने के लिए मोलभाव करने में संकोच बिलकुल न करें।

ऐसे करें तैयारी

देश या विदेश, जहां कहीं भी पर्यटन के लिए निकलना हो, कम खर्च में ज्यादा फायदा हासिल करने का अच्छा तरीका यह है कि तैयारियों की शुरुआत आप जानकारी जुटाने से करें। मसलन यह कि जहां कहीं भी आप जा रहे हैं, उसके आसपास और कौन.कौन सी जगहें हैं, क्या उन्हें इस यात्रा पैकेज में शामिल किया जा सकता है, जिन शहरों की यात्रा पर आप जा रहे हैं, वहां देखने के लिए कौन-कौन सी मशहूर जगहें हैं।

खास तौर से किसी भी बड़े शहर के भीतर की दर्शनीय जगहों को कई हिस्सों में बांटकर देखें। दुनिया के सभी बड़े शहरों में देखने के लिए आधुनिक दौर की कई चीजें होती हैं। इससे वहां के व्यापारिक और तकनीकी विकास का पता चलता है। घुमक्कड़ी का दूसरा पक्ष रिक्रिएशन है, जिसे मौज-मस्ती या रोमांच भी कह सकते हैं।

समुद्रतट और उनके आस पास की घुमक्कड़ी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। सागर तट पर टहलना जहां मौज.मस्ती का माध्यम है, वहीं वॉटर राफ्टिंग, स्नोर्केलिंग या वॉटर स्कूटरिंग जैसी गतिविधियां रोमांच का। समुद्र तट पर बसे बडे, शहरों में ये दोनों चीजें एक साथ मिलती हैं। अधिकतर ट्रैवल एजेंसियों द्वारा कराया जाने वाला पर्यटन बस यहीं तक सीमित होता है। पर याद रखें, ऐसा कोई बड़ा शहर नहीं है जिसका समृद्ध अतीत न हो। यह भी कि प्राचीनकाल में स्थापत्य की सर्वोत्तम कृतियां धार्मिक विश्वासों-संस्थाओं की देन हैं। आज भी कई शहरों में मौजूद धार्मिक स्थलों का स्थापत्य सौंदर्य देखते ही बनता है। संग्रहालय अब विज्ञान से लेकर, प्रकृति, इतिहास और कला तक सभी विषयों के कई शहरों में है। इसलिए जब भी घूमने निकलें तो उस स्थान विशेष की सभी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में पहले से पूरी जानकारी कर उन्हें अपनी सूची में शामिल करना न भूलें।

रहे ध्यान इतना

जब आप पर्यटन के लिए निकलते हैं तो घूमना जितना महत्वपूर्ण है, व्यक्तिगत सुरक्षा व सेहत उससे कम अहम नहीं है। यह सच है कि अब हर मौसम में हर जगह घूमा जा सकता हैए पर मौसम के कुछ रंग या भौगोलिक हालात निजी तौर पर आपके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इसलिए जब कहीं निकलना हो तो वहां की पारिस्थिति की के बारे में जान लें। यह सारी जानकारी आपको इंटरनेट से मिल सकती है। इसके अनुरूप अपने चिकित्सक की सलाह और जरूरी दवाइयां लेना कभी न भूलें। अगर आप देश के भीतर जा रहे हों तो वहां अपने पूर्व परिचितों और बाहर जा रहे हों तो भारतीय उच्चायोग के बारे में पूरी जानकारी जरूर कर लें। मुश्किल समय में यही आपके काम आते हैं। यह सही है कि बाहर जाते वक्त सभी जरूरी सामान आपके पास होने चाहिए, पर यह भी खयाल रखें कि यात्रा के दौरान सामान जितना ज्यादा होगाए झंझटें भी उतनी ही ज्यादा होंगी। इसलिए जो सामान ले जाने हैं पहले उनकी सूची बनाएं। फिर उन पर विचार करें। जो चीजें बहुत जरूरी हों, वही ले जाएं। अगर इन बातों का खयाल रखें तो सैर-सपाटा छुट्टियां बिताने और मौज-मस्ती का सबसे अच्छा जरिया साबित होगा। व्यक्तित्व विकास इसका बोनस तो है ही, भला उससे आपको वंचित कौन कर सकता है!

ध्यान दें इन बातों पर

वीजा की औपचारिकता

अगर आप विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं तो जब यह निश्चित हो जाए कि आपको कहां-कहां जाना है, तुरंत वीजा के लिए कार्यवाही शुरू कर दें। मुख्य गंतव्य के बाद उसके आस पास के विकसित देशों के वीजा के लिए पहले आवेदन क्यों करें। क्योंकि कुछ देश इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगाते हैं, साथ ही उनकी कुछ शर्तें भी होती हैं। समय से पहले आवेदन करें तो यह काम आसान हो जाता है।

टीका लें

कुछ देशों की जलवायु के अनुरूप वहां खास किस्म की बीमारियों की आशंका बनी रहती है। बेहतर होगा कि उनके लिए पहले से ही टीकाकरण करवा कर चलें। मसलन पूरे पश्चिमी यूरोप में कहीं आने वाले पर्यटकों को हेपेटाइटिस ए और बीए ब्राजील आने वाले विदेशियों को येलो फीवर और मलेशिया जाने वालों को डेंगू फीवर का टीका लेकर आने की सलाह दी जाती है।

बच कर रहें

ध्यान रखें, आतंकवाद किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है। अब यह विश्वव्यापी है। इसके अलावा कई देशों में चोरी, झपटमारी व जेबकतरी जैसे अपराध खूब बढ़ रहे हैं। इंडोनेशिया, ब्राजील, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देशों में तो यह सब होता ही है, इटली और नीदरलैंड्स जैसे विकसित देश भी माफियाओं और उचक्कों के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। इसलिए कहीं भी हों, इनसे हमेशा सतर्क रहें। जो भी देखना हो दिन में घूम लें, अनजान जगह पर रात में बाहर निकलने से बचें।

अपनों से जुड़े रहें

आप जहां कहीं भी हों, वहां आपकी स्थिति और कुशलता की सूचना आपके परिजनों और शुभचिंतकों को निरंतर होनी चाहिए। इसके लिए बेहतर होगा कि आप उनसे लगातार जुडे रहें। संचार साधनों के इस युग में यह मुश्किल भी नहीं है। मोबाइल पर आईएसडी रोमिंग की जरूरत नहीं है। अधिकतर देशों में आपको शॉर्ट टर्म प्रीपेड सिम पासपोर्ट की जीरॉक्स कॉपी देकर मिल जाते हैं। इसका प्रयोग करें।

मर्यादाओं का सम्मान

जिस किसी भी देश में जाएं उसके कानून और शिष्टाचार का सम्मान करें। कुछ विश्वप्रसिद्ध शहरों के कुछ क्षेत्र प्रसिद्ध हैं। वहां बाहरी लोगों को जाने से मना किया जाता है। उनके बारे में किताबी जानकारी रखें। मौका मुआयना करने की कोशिश न करें। यह नुकसानदेह हो सकता है।

भय जंतुओं का

अगर आप कुछ खास जंतुओं से डरते हैं तो विदेश में ठहरने या घूमने के लिए स्थल चुनते हुए सावधानी बरतें। मसलन उष्णकटिबंधीय देशों में बड़े आकार की छिपकलियां खूब देखी जाती हैं। इसी तरह हिंदू संस्कृति से प्रभावित देशों में मंदिरों के आस पास बंदरों का होना आम बात है। मलेशिया के पेनांग शहर में चीनी समुदाय के एक मंदिर में तो सर्पों की बहुतायत है। अगर आप इन जंतुओं से डरते हैं तो उन्हें बाहर से ही देख कर आ जाएं। उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

ये लोग हीरो हैं, जिन्होंने लोगों की जान बचाई : मूर

– जहाज के टकराने से टूट गया था पुल, 6 लोगों की हुई थी मौत

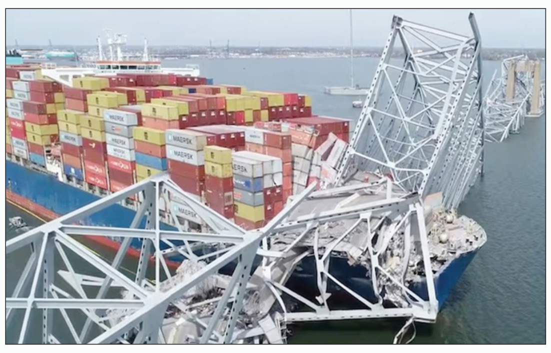

वाशिंगटन। अमेरिका के बाल्टीमोर शहर में एक कार्गो शिप के टकराने से पुल पूरी तरह टूट गया था जिसमें छह लोग लापता हो गए थे जिन्हें बाद में मृत मान लिया गया और अमेरिकी अधिकारी ने बुधवार सुबह तक के लिए उनकी तलाश रोक दी है। इस जहाज में सवार 22 सदस्यीय चालक दल के सभी सदस्य भारतीय थे और सभी सुरक्षित हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कहा जा रहा है कि सिंगापुर के झंडे वाला कंटेनर जहाज मंगलवार तड़के बाल्टीमोर शहर के फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज से यह 300 मीटर लंबा यह जहाज पुल के एक खंभे से टकरा गया। जिसके टकराने कई वाहन और लगभग 20 लोग नदी में गिर गए थे। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जहाज के चालक दल ने टक्कर से पहले बिजली की समस्या की सूचना दी थी। रिपोर्ट में बताया कि कंटेनर जहाज डीएएलआई के मालिकों ने बताया कि जहाज मंगलवार को फ्रांसिस स्कॉट के बाल्टीमोर पुल के एक खंभे से टकरा गया था इसमें सवार दो पायलटों सहित चालक दल के सभी सदस्यों का पता लगा लिया गया है और किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर ने कहा कि जहाज, जो 8 समुद्री मील की तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा था जहाज के पुल के खंभे से टकराने से कुछ पल पहले आपात कॉल जारी किया गया था। इस अलर्ट से अधिकारियों ने भी तुरंत कदम उठाते हुए गाड़ियों को पुल पर जाने से रोक दिया। मूर ने कहा, 'हम आभारी हैं कि हमारे पास ऐसे अधिकारी थे, जिन्होंने समय रहते ट्रैफिक को रोक दिया। उन्होंने शिप के क्रू मेंबर्स की तारीफ करते हुए कहा, 'ये लोग हीरो हैं। उन्होंने कल रात लोगों की जान बचाई।

लंदन में किसानों का जाम.... संसद के पास ट्रैक्टर रैली निकाल कर किया प्रदर्शन

लंदन । ब्रिटेन की राजधानी लंदन में किसानों ने संसद के पास ट्रैक्टर निकाल कर अपना विरोध प्रदर्शन किया है। किसानों ने ब्रेक्जिट के बाद के नियमों और व्यापार समझौतों का विरोध करने के लिए ब्रिटिश संसद की ओर धीमी गति के काफिले में दर्जनों ट्रैक्टर चलाए। व्यापार समझौते को लेकर किसानों का कहना है कि ये आजीविका और खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। सेव ब्रिटिश फार्मिंग एंड फेयरनेस फॉर फार्मर्स ऑफ केंट अभियान समूह के समर्थक दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड से और राजधानी के दक्षिणी जिलों से होते हुए पार्लियामेंट स्क्वायर की ओर बढ़े, जहां दर्जनों समर्थक उनके स्वागत के लिए इंतजार कर रहे थे। यूनियन जैक के झंडे या घटिया आयात बंद करो लिखे साइन लहराकर ट्रैक्टरों की कतार टेम्स नदी के किनारे और संसद भवन की ओर बढ़ी और जयकारे लगाते हुए और हॉर्न बजाते हुए पार्लियामेंट स्क्वायर का चक्कर लगाया। ब्रिटेन ने अब तक बड़े पैमाने पर किसानों का विरोध प्रदर्शन नहीं देखा है, जिसने फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों के शहरों को जाम कर दिया है। 27 देशों के यूरोपीय संघ के किसानों ने अनावश्यक नौकरशाही नियमों, स्वच्छ हवा और मिट्टी के लक्ष्य और विदेशों से अनुचित प्रतिस्पर्धा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है, जो उन्हें दिवालियापन की ओर ले जा रहा है। ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से बाहर निकलने से ब्रिटेन की कृषि पर भारी असर पड़ा है, इसने ब्रिटेन को ब्लॉक के मुक्त व्यापार क्षेत्र और कृषि नियमों के जटिल जाल से बाहर कर दिया है।

कई ब्रिटिश किसानों ने यूरोपीय संघ की बहु-आलोचना वाली सामान्य कृषि नीति के विरोध में ब्रेक्सिट का समर्थन किया। लेकिन अब कई लोग कहते हैं कि ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड सहित देशों के बीच व्यापार सौदों ने सस्ते आयात का द्वार खोल दिया है जिससे ब्रिटिश उत्पादकों को नुकसान हो रहा है।

इंसान अक्सर जंगली और घरेलू जानवरों में फैलाते हैं वायरस, ताजा अध्ययन में वैज्ञानिकों ने किया यह दावा

लंदन। इंसान अक्सर जंगली और घरेलू जानवरों में वायरस फैलाते हैं, जिससे उनमें बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। यह दावा किया है वैज्ञानिकों ने ताजा अध्ययन में। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के शोधकर्ताओं ने वायरल जीनोम का विश्लेषण किया जिससे पता चला कि मनुष्यों को कभी भी वायरस फैलाने का स्रोत नहीं माना गया है। मानव-से-पशु में वायरस के फैलने पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। यूसीएल के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट और फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट के डॉक्टरेट छात्र, प्रमुख लेखक सेड्रिक टैन ने कहा, 卐जब जानवर इंसानों से वायरस पकड़ते हैं, तो यह न केवल जानवरों को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि पूरी प्रजाति के लिए संरक्षण का खतरा पैदा कर सकता है। बल्कि इसे रोकने के लिए बड़ी संख्या में पशुओं को मारने की आवश्यकता होती है।卐卐इसके अलावा, यदि मनुष्यों से लाया गया कोई वायरस किसी नई पशु प्रजाति को संक्रमित करता है, तो मनुष्यों के बीच ख़त्म होने के बाद भी यह पनपता रह सकता है। अध्ययन के लिए, टीम ने लगभग 12 मिलियन वायरल जीनोम का विश्लेषण किया।यूसीएल जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट के सह-लेखक प्रोफेसर फ्रंकोइस बलौक्स ने कहा, मनुष्यों से जानवरों में वायरस का फैलना संक्रमण का एक तरीका है, इसके अलावा और भी तरीके हैं।शोधकर्ताओं ने पाया कि 卐इंसानों से जानवर में फैलने वाला वायरस लगभग दोगुने से अधिक है। यह पैटर्न अधिकांश वायरल परिवारों में सुसंगत था।

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाला विधेयक थाइलैंड के निचले सदन में पारित

बैंकॉक। थाइलैंड की संसद के निचले सदन ने बुधवार को एक विवाह समानता विधेयक को भारी बहुमत से पारित कर दिया जिसमें समलैंगिक विवाह समेत किसी भी लैंगिक पहचान के लोगों के बीच विवाह संबंधों को मान्यता दी गई है। इस विधेयक के कानून बनने के साथ थाइलैंड किसी भी लैंगिक पहचान वाले जीवनसाथियों के समानता के अधिकार को कानूनी मान्यता देने वाला दक्षिण पूर्व एशिया का पहला देश बन जाएगा। प्रतिनिधि सभा में उपस्थित 415 सदस्यों में से 400 ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, वहीं 10 लोगों ने इसके खिलाफ मतदान किया। पांच सदस्यों ने मतदान से दूरी बनाई या उसमें भाग नहीं लिया। विधेयक में नागरिक और व्यावसायिक संहिता में संशोधन कर 'पुरुषों और महिलाओं' तथा 'पति और पत्नी' शब्दों की जगह 'लोग' और 'वैवाहिक जीवनसाथी' शब्द डाले गए हैं। यह विधेयक 'एलजीबीटीक्यू प्लस' दंपतियों को पूरी तरह कानूनी, वित्तीय और चिकित्सा अधिकार प्रदान करेगा। विधेयक अब सीनेट में जाएगा, जो निचले सदन से पारित होने वाले किसी भी विधेयक को बमुश्किल ही कभी खारिज करता है। इसके बाद विधेयक को थाइलैंड के नरेश की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। इसके कानून बनने के बाद थाइलैंड दक्षिण पूर्व एशिया का पहला और एशिया में ताइवान तथा नेपाल के बाद तीसरा ऐसा देश बन जाएगा जहां इस तरह का कानून पारित हुआ है।

वाशिंगटन में गर्भपात के अधिकारों को लेकर अदालत के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

अमेरिका और ब्रिटेन का आरोप, चीन व्यापक साइबर जासूसी अभियान चला रहा

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने चीन की जिनपिंग सरकार पर व्यापक साइबर जासूसी अभियान चलाने का आरोप लगाया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि चीन साइबर जासूसी से वैश्विक स्तर पर लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट 31 (एपीटी 31) कहा जाने वाला हैकिंग समूह कथित तौर पर चीन के सुरक्षा मंत्रालय से जुड़ा हुआ है। संबंधित डेवलपमेंट में न्यूजीलैंड ने 2021 में दुर्भावनापूर्ण साइबर हमले के लिए राज्य प्रायोजित चीनी हैकरों को जिम्मेदार ठहराया है। सुरक्षा सेवा मंत्री जूडिथ कोलिन्स ने संवेदनशील सरकारी जानकारी को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने पर जोर दिया। साइबर हमलों के निशाने पर कथित तौर पर कानून निर्माता, शिक्षाविद्, पत्रकार और बीजिंग के आलोचक सरकारी अधिकारी, साथ ही रक्षा ठेकेदार और इस्पात, ऊर्जा और परिधान जैसे क्षेत्रों की विभिन्न कंपनियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कहा जाता है कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों और सांसदों के पति-पत्नी भी निशाना बनाया गया था। उप अमेरिकी अटॉर्नी जनरल लिसा मोनाको के अनुसार, हैकिंग ऑपरेशन का प्राथमिक मकसद चीनी शासन के आलोचकों को चुप कराना, सरकारी संस्थानों में घुसपैठ करना और व्यापार रहस्यों को चुराना था। अमेरिकी अभियोजकों ने सात कथित चीनी हैकरों के खिलाफ अभियोग खोल दिया है, जिसमें उन पर लाखों अमेरिकियों के कार्य खातों, व्यक्तिगत ईमेल, ऑनलाइन स्टोरेज और टेलीफोन कॉल रिकॉर्ड से समझौता करने का आरोप लगाया गया है। इस बीच, ब्रिटिश अधिकारियों ने एपीटी 31पर चीन के आलोचक ब्रिटिश सांसदों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है, इतना ही नहीं चीनी जासूसों के एक अलग समूह को ब्रिटेन के चुनावी निगरानी में हैक के लिए जिम्मेदार ठहराया है, जिसने ब्रिटेन में लाखों लोगों के डेटा से समझौता किया है। यूके और यूएस दोनों में चीनी राजनयिकों ने आरोपों को खारिज कर उन्हें निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताया है। फिर भी, दोनों देशों ने कथित तौर पर चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय से जुड़ी एक फर्म पर प्रतिबंध लगाया है, जिसे वे हैकिंग गतिविधि के लिए अग्रणी कंपनी होने का दावा करते हैं।

भारत ने फिलीपींस का समर्थन किया तो भड़क उठा चीन

बीजिंग(एजेंसी)। चीन की विस्तावदी नीति ही चीन के लिए चुनौतियां खड़ीं कर रही हैं। इसी नीति के कारण उसका कई देशों से पंगा चल रहा है। भारत पर भी चीन की हमेशा ही टेढ़ी नजर रहती है। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ फिलीपीन के विवाद के बीच कहा था कि अपनी राष्ट्रीय संप्रभुत्ता को बनाए रखने में दक्षिणपूर्व एशियाई देश का भारत दृढ़ता से समर्थन करता है और वह रक्षा व सुरक्षा समेत सहयोग के नए क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशना चाहता है। मनालो के साथ संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन-फिलीपीन के बीच विवाद पर एक सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र समुद्र विधि समझौता (यूएनसीएलओएस 1982) इस संबंध में समुद्र के विधान के तौर पर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सभी पक्षों को इसका अक्षरशः पूरी तरह पालन करना चाहिए। मैं इस अवसर पर फिलीपीन की राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए भारत के समर्थन को दृढ़ता से दोहराता हूं।

बीजिंग ने भारत से विवादित दक्षिण चीन सागर पर उसके संप्रभुता के दावों और समुद्री हितों का सम्मान करने की अपील की। साथ ही कहा कि तीसरे पक्ष को इसमें हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत फिलीपीन की संप्रभुता का समर्थन करता है। इसे लेकर सवाल पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, समुद्री विवाद संबंधित देशों के बीच के मुद्दे हैं। तीसरे पक्ष को किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम संबंधित पक्षों से दक्षिण चीन सागर मुद्दे पर तथ्यों और सच्चाई का सीधे तौर पर सामना करने की अपील करते हैं। साथ ही चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता और समुद्री अधिकारों व दक्षिण चीन सागर को शांतिपूर्ण रखने के क्षेत्रीय देशों के प्रयासों का सम्मान होना चाहिए। मालूम हो कि एस जयशंकर इस समय आधिकारिक यात्रा पर मनीला में हैं। इस दौरान उन्होंने फिलीपीन के विदेश मंत्री एनरिक मनालो से बातचीत की।

ये है विवाद का मुख्य कारण

चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है जबकि फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान समुद्री क्षेत्र पर अपना दावा करते हैं। फिलहाल चीन और फिलीपीन के बीच विवाद है, क्योंकि दोनों देशों के तटरक्षक जहाज दक्षिण चीन सागर में सेकंड थॉमस शोल पर अपना दावा जताने के लिए होड़ कर रहे हैं, जिसे दोनों अपना हिस्सा मानते हैं। चीन ने शिकायत की थी कि फिलीपीन ने चट्टान पर खड़े एक पुराने युद्धपोत तक निर्माण सामग्री पहुंचाने के लिए 2 तटरक्षक जहाज और एक आपूर्ति जहाज भेजा था। चीन का कहना है कि फिलीपीन ने 1999 में जानबूझकर एक युद्धपोत को खड़ा कर दिया था। वहीं, मनीला ने चीनी तटरक्षकों पर उनके जहाज को रोकने और पानी की बौछारों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। फिलीपीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टेरेसिटा डाजा ने कहा कि फिलीपीन के विशेष आर्थिक क्षेत्र में उसकी नियमित और वैध गतिविधियों में चीन का निरंतर हस्तक्षेप अस्वीकार्य है।

महिलाओं के लिए सऊदी अरब ने कई पाबंदियां हटाई, अब मिस यूनिवर्स में हिस्सा ले रहीं रुमी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। रियाद(ईएमएस)। इस्लामिक देश सऊदी अरब अब महिलाओं के प्रति काफी उदार होता जा रहा है। मोहम्मद बिन सलमान अल के राज में महिलाओं के लिए लगीं तमाम पाबंदियों को हटाया गया है। यही वजह है कि 27 साल की खूबसूरत मॉडल रूमी अलकाहतानी देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। यह सऊदी अरब के लिए एक और ऐतिहासिक कदम है। इससे पहले हाल ही में सऊदी अरब ने गैर-मुस्लिम राजनयिकों को शराब खरीदने की अनुमति दी थी। इसके अलावा महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाड़ी चलाने और पुरुषों के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लेने की इजाजत दी थी। मॉडल रूमी अलकाहतानी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर जानकारी दी कि वह मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में अपने देश सऊदी अरब से पहली प्रतिभागी होंगी।

बता दें कि सऊदी अरब की राजधानी रियाद की रहने वाली रूमी को इंटरनेशनल फेस्टिवलों में भाग लेने के लिए जाना जाता है। कुछ हफ्ते पहले मलेशिया में आयोजित मिस एंड मिसेज ग्लोबल एशियन में वो हिस्सा ले चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूमी अलकाहतानी ने कहा, मेरा योगदान वैश्विक संस्कृतियों के बारे में सीखना और सऊदी संस्कृति और विरासत को दुनिया के सामने लाना है। मिस सऊदी अरब का ताज पहनने के अलावा, उनके पास मिस मिडिल ईस्ट (सऊदी अरब), मिस अरब वर्ल्ड पीस 2021 और मिस वुमन (सऊदी अरब) का खिताब भी है।

सऊदी अरब में हो रहे कई बदलाव- सऊदी अरब, जो लंबे समय से अपनी रूढ़िवादिता के लिए जाना जाता है, वर्तमान में 38 वर्षीय क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। अरब प्रायद्वीप में सबसे बड़े देश के रूप में सऊदी अरब ने ऐतिहासिक रूप से सख्त सामाजिक और धार्मिक नियंत्रण बनाए रखा है। हालांकि, हाल के महीनों में यहां कड़े प्रतिबंधों में ढील देखी गई है। सऊदी अरब में हो रहे इन बदलावों ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है। विशेष रूप से महिलाओं पर प्रतिबंध हटाने लेकर। जिसमें उन्हें गाड़ी चलाने, पुरुषों संग कार्यक्रमों में भाग लेने और बिना पुरुष गार्जन के पासपोर्ट के लिए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा, सऊदी अरब, जो अपने सख्त शराब नीतियों के लिए जाना जाता है, ने हाल ही में गैर-मुस्लिम राजनयिकों को शराब खरीदने की अनुमति दी है।

कंधार से जुड़ रहे मॉस्को हमले के तार, वीडियो भी सामने आया

मॉस्को (एजेंसी)। मॉस्को में हुए आतंकी हमले के तार अफगानिस्तान के कंधार से भी जुड रहे हैं। हमला किसने और क्यों किया इसको लेकर कई जांच एजेंसियां लगातार काम कर रही हैं। इसको लेकर एक वीडियो भी सामने आया है। अफगानिस्तान के कंधार स्थित काबुल बैंक के सामने पिछले सप्ताह उस समय आत्मघाती हमला हुआ, जब सैंकड़ों सरकारी कर्मचारी अपना वेतन लेने के लिए बैंक में पहुंचे हुए थे। इस आत्मघाती हमले में कम से कम 30 लोग मारे गए थे और अनेकों घायल हुए थे। जांच के दौरान इस आत्मघाती हमले का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि आत्मघाती हमलावर विस्फोटक से भरा हुआ बैग लेकर बैंक के अंदर पहुंचता है। इसमें शीशे की दूसरी तरफ बड़ी तादाद में सरकारी कर्मचारी वेतन लेने के लिए जुटे हुए हैं। इतने में हमलावर विस्फोटक से भरे बैग के साथ नीचे बैठता है और उसके बाद अपने शरीर पर लगे विस्फोटक के साथ बेल्ट का आत्मघाती बटन ऑन करके खुद को उड़ा लेता है। इस मामले में हो रही जांच पर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने बयान जारी करते हुए बताया कि यह हमला आतंकवादी संगठन आईएस द्वारा किया गया था और हमलावर उज्बेकिस्तान का मूल निवासी असदबेक मदियारोव था, जिसने सेंट पीटर्सबर्ग में उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। तालिबान के दावे के मुताबिक, यह हमलावर साल 2021 में भर्ती हुआ था और उसके बाद उसे इस्लामिक स्टेट के खुरासान मॉड्यूल में बड़ी वारदात अंजाम देने के लिए भेज दिया गया था। तालिबान जांच कर रहा है कि कहीं यह हमलावर इससे पहले मास्को वाले हमलावरों के साथ तो मौजूद नहीं था। जांच के दौरान यह बात सामने आ रही है कि हमलावरों ने पाकिस्तानी समर्थक गुटों से ट्रेनिंग ली थी।

हमास ने यूएनएससी के प्रस्ताव को ठुकराया, गाजा में जारी रहेगी जंग

जेनेवा (एजेंसी)। आतंकी संगठन हमास की अकड़ के चलते गाजा में हजारों लोगों की जान चली गई। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग प्रताड़ना का शिकार हैं। लोगों को भोजन पानी और बुनियादी जरुरतों से वंचित कर दिया गया है। भुखमरी की कगार में पहुंचे गाजा में मानवता कराह रही है। इसके बाद भी हमास का दिल नहीं पसीज रहा। यूएनएससी ने शांति का प्रस्ताव दिया था, लेकिन हमास ने एक झटके में उसे ठुकरा दिया। अब संभावना जताई जा रही है कि जंग फिलहाल नहीं रुकेगी और किस अंजाम तक पहुंचे कोई नहीं जानता।

हमास के बयान से कुछ समय पहले ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में बंदी बनाए गए सभी लोगों की रिहाई और तत्काल युद्धविराम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस संबंध में मतदान से इजराइल और अमेरिका के बीच गतिरोध पैदा हो गया। अमेरिका ने सोमवार को मतदान में अपने 'वीटो' अधिकार का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया। जवाब में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की प्रस्तावित वाशिंगटन यात्रा को निरस्त कर दिया। नेतन्याहू ने हमास की मांगों को खारिज कर दिया है। वहीं नेतन्याहू ने अमेरिका से भी नाराजगी जताते हुए कहा कि वह यूएनएससी में अपनी नीति से पीछे हट गया है। उसे इस प्रस्ताव के खिलाफ वीटो का इस्तेमाल करना चाहिए था क्योंकि प्रस्ताव में बंधकों की रिहाई की बात नहीं कही गई है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका भी सीजफायर को लेकर एक प्रस्ताव पेश किया था लेकिन रूस और चीन ने इसपर वीटो लगा दिया था। इसमें बंधकों की रिहाई की भी बात कही गई थी।

हमास ने इजराइल पर नए युद्धविराम प्रस्ताव की प्रमुख मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए इसे खारिज कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पास इस प्रस्ताव में युद्ध की समाप्ति और गाजा से सैनिकों की पूर्ण वापसी की बात कही गई है। मुस्लिम देशों द्वारा लाए गए यूएनएससी के अस्थायी सदस्यों के इस प्रस्ताव का चीन और रूस ने भी समर्थन किया था। वहीं अमेरिका ने वोटिंग से दूरी बना ली थी।हमास ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा कि उसने मध्यस्थों को सूचित किया है कि वह अपनी मूल स्थिति पर कायम है, जिसे मार्च की शुरुआत में बताया गया था। इसमें कहा गया है कि इजराइल ने 'व्यापक युद्धविराम, गाजा पट्टी से (इजराइली सैनिकों की) वापसी, विस्थापित लोगों की वापसी और वास्तविक कैदियों की अदला-बदली' की उसकी मूल मांगों का जवाब नहीं दिया है।

अमेरिका ने उगला भारत के खिलाफ जहर, सीएए पर जताई चिंता

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत में सीएए लागू होने के बाद अमेरिका ने इस पर चिंता जाहिर की है। अमेरिकी आयोग का कहना है कि सीएए से स्पष्ट होता है कि मुस्लिमों को सीएए परेशानी डाल सकता है। अमेरिका सरकार के बाद अब अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता संबंधी अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लागू करने के लिए भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना पर चिंता व्यक्त की है। अमेरिकी आयोग ने कहा है कि किसी को भी धर्म या विश्वास के आधार पर नागरिकता से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। यूएससीआईआरएफ के आयुक्त स्टीफन श्नेक ने एक बयान में कहा, 'समस्याग्रस्त सीएए पड़ोसी देशों से भागकर भारत में शरण लेने आए लोगों के लिए धार्मिक अनिवार्यता का प्रावधान स्थापित करता है।' श्नेक ने कहा कि सीएए हिंदुओं, पारसियों, सिखों, बौद्धों, जैनियों और ईसाइयों के लिए त्वरित नागरिकता का मार्ग प्रशस्त करता है, लेकिन इस कानून के दायरे से मुसलमानों को स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है। आलोचकों ने अधिनियम से मुसलमानों को बाहर रखने को लेकर सरकार पर सवाल उठाया है, लेकिन भारत ने अपने कदम का मजबूती से बचाव किया है।

वही दूसरी तरफ भारत और भारतीय समुदाय से संबंधित नीतियों का अध्ययन एवं विश्लेषण कर उनके बारे में जागरूकता फैलाने वाले 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज' (एफआईआईडीएस) ने कहा कि सीएए के ''तथ्यात्मक विश्लेषण'' के अनुसार, इस प्रावधान का उद्देश्य भारत के तीन पड़ोसी इस्लामिक देशों के प्रताड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करना है। उसने कहा, गलतफहमियों के विपरीत, इसमें भारत में मुसलमानों को नागरिकता से वंचित करने या उनकी नागरिकता रद्द करने या उन्हें निर्वासित करने का प्रावधान नहीं है इसलिए, इसे 'उत्पीड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए शीघ्र नागरिकता अधिनियम' कहना उचित होगा।इसमें कहा गया है, 'हमें भरोसा है कि यूएससीआईआरएफ, अन्य एजेंसियां और अन्य संस्थाएं सीएए पर इस जानकारी को उचित मानेंगी और यह समझेंगी कि सीएए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में यूएससीआईआरएफ द्वारा उठाई गई कुछ चिंताओं को सीधे तौर पर दूर करता है।श्नेक ने अपने बयान में कहा, अगर वास्तव में इस कानून का उद्देश्य उत्पीड़न झेलने वाले धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करना होता, तो इसमें बर्मा (म्यांमा) के रोहिंग्या मुसलमान, पाकिस्तान के अहमदिया मुसलमान या अफगानिस्तान के हजारा शिया समेत अन्य समुदाय भी शामिल होते। किसी को भी धर्म या विश्वास के आधार पर नागरिकता से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। भारत के गृह मंत्रालय का कहना है कि इन देशों के मुसलमान भी मौजूदा कानूनों के तहत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में आज सुबह पुलिस के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए, जिसमें चार पुरुष तथा दो महिलाएं शामिल हैं। घटनास्थल से पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। दक्षिण बस्तर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कमलोचन कश्यप ने बताया कि पिछले दिनों बासागुड़ा क्षेत्र में तीन ग्रामीणों की हत्या किए जाने के बाद से पुलिस इन इलाकों में लगातार सर्चिंग कर रही थी। सूचना के आधार पर आज केंद्रीय सुरक्षा बल, कोबरा तथा जिला रिजर्व पुलिस जवानों का संयुक्त दल बासागुड़ा इलाके से निकला था। नक्सलियों के प्लाटून नंबर 10 के साथ लगभग डेढ़ घंटे तक मुठभेड़ हुई, जिसमें 6 नक्सली मारे गए। मारे गए नक्सलियों में एक कमांडर भी है। श्री कश्यप ने बताया कि घटना स्थल से 6 बंदूक, भारी मात्रा में विस्फोट सामग्री, वायरलेस सेट बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि बासागुड़ा क्षेत्र के चिकुरभट्टी के इलाके में तालपेरू नदी के किनारे मुठभेड़ हुई। इलाके में अभियान लगातार जारी है।

बिजनौर में भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत, दवाई लेने ऋषिकेश जा रहे थे

बिजनौर। यूपी के बिजनौर में भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें कार सवार 4 परिजनों की मौत हो गई। कार सवार लोग अमरोहा से ऋषिकेश दवाई लेने जा रहे थे। तभी उनकी कार बिजनौर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। मरने वालों में एक सिपाही भी है जो रामपुर में तैनात था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ये सड़क हादसा आज सुबह देहरादून-नैनीताल नेशनल हाईवे पर गांव गुनियापुर के पास हुआ है। चालक को नींद आने के कारण कार पलटने की बात की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। तड़के कार में सवार रामपुर में तैनात पुलिसकर्मी परविंदर सहित 4 लोग अमरोहा के सिकरेड़ा गांव से ऋषिकेश दवाई लेने जा रहे थे। इनकी कार जैसे ही नेशनल हाईवे 74 पर गांव गुनियापुर के पास पहुंची तो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। घटना के बाद वहां चीख पुकार मच गई। पास से गुजर रहे लोगों ने किसी तरह चारों को कार से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव राहत कार्य शुरू किया लेकिन तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। इसमें पुलिसकर्मी परविंदर की जेब से मिले आई कार्ड से उसकी पहचान हो पाई है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और चारों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के रिश्तेदार विवेक ने बताया कि मरने वालों में सिपाही परमिंदर, पिता और मामा शामिल हैं। वे दवाई लेने ऋषिकेश जा रहे थे। एक साथ 4 लोगों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। इस मामले में सीओ निजीवाद देश दीपक सिंह ने फोन पर बताया कि चारों मृतक अमरोहा के सिकरेडा गांव के रहने वाले हैं जो आज सवेरे अमरोहा से ऋषिकेश दवाई लेने जा रहे थे। तभी अचानक बनियापुर के पास नेशनल हाईवे 74 पर कर नियंत्रित होकर पलट गई जिसमें चारों की मौत हो गई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया है और परिजनों को सूचना दे दी है। मरने वालों में एक रामपुर में तैनात पुलिसकर्मी भी शामिल है। उसी के आईकार्ड से मृतकों की पहचान हो पाई है।

युवक रो-रोकर लड्डू गोपाल की मूर्ति का इलाज की गुहार कर रहा है नाबालिग!

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के गांव सुजानपुर के एक युवक ने एंबुलेंस को फोन कर लड्डू गोपाल को चोट लगने की सूचना दी। एंबुलेंस चालक ने मौके पर पहुंच कर युवक और लड्डू गोपाल को अस्पताल पहुंचाया। जहां युवक लड्डू गोपाल की मूर्ति का इलाज करने की गुहार कर रहा है। डॉक्टर समझाने में लगे थे लेकिन युवक इलाज की मांग कर रहा है। गांव सुजानपुर का रहने वाले रिंकू ने मंगलवार शाम को 06.40 पर 108 एंबुलेंस को फोन करके गोपाल को चोट लगने की सूचना दी। इसके बाद चालक रामेंद्र कुमार और ईएमटी कीरत यादव एंबुलेंस लेकर 9 किमी दूर गांव सुजानपुर पहुंचे। यहां रिंकू लड्डू गोपाल की मूर्ति लेकर एंबुलेंस में बैठ गया और 07.25 बजे खुटार सीएचसी पहुंच गया। अस्पताल में युवक ने डॉक्टर अंकित वर्मा को मूर्ति दिखाकर रोते हुए बताया कि इनका नाम गोपाल पुत्र वासुदेव है। इनकी उम्र 5 वर्ष है। शाम को वह इन्हें स्नान करा रहा था इस दौरान उनके हाथ से गिर गए और इन्हें चोट लग गई है। डॉक्टर ने लड्डू गोपाल के ठीक होने और घर ले जाने की बात कही लेकिन रिंकू ने डॉक्टर की बात नहीं मानी और जोर-जोर से रोने लगा। 16 वर्षीय नाबालिग युवक को रोता देख आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। डेढ़ घंटा बीतने के बाद भी डॉक्टर युवक को समझाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन युवक रो-रोकर इलाज की गुहार कर रहा था। रात नौ बजे तक युवक लड्डू गोपाल की मूर्ति गोद मे रखकर रो रहा था और लोग उसे समझा रहे थे।

नेपाल की बॉर्डर से चीनी घुसपैठियों को सुरक्षा बलों ने पकड़ा

सिद्धार्थनगर। भारतीय सुरक्षा बलों ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले की भारत नेपाल सीमा से दो चीनी घुसपैठियों को पकड़ा है। ये दोनों नागरिक अवैध रूप से भारतीय सीमा में घुस आए थे। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल है। फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज इन्हें कोर्ट के सामने पेश किया है। दरअसल, पूरा मामला 26 मार्च का है जब इंडो-नेपाल बॉर्डर के पास एसएसबी व मोहाना थाने की फोर्स संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग कर रही थी। तभी बभनी चौराहे के पास अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के अपराध में एक पुरुष व एक महिला को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 2 चाइना के पासपोर्ट, 2 नेपाल के वीजा, 2 चाइना के सिम कार्ड व 2 नेपाल के सिम कार्ड, 1 एप्पल का फोन व 1 होनर का फोन व 9 विभिन्न कार्ड बरामद किए गए। पकड़े गए अभियुक्त का नाम झोऊ पुलिन है जो चीन के सियाचीन का रहने वाला है, वहीं अभियुक्ता का नाम यूंआ यूंहान है जो कि हुंगजुआ की रहने वाली है। इन दोनों पर पुलिस ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के अपराध में केस दर्ज किया है। मोहाना थाने में धारा 14(ए) विदेशी अधिनियम-1946 के तहत मुकदमा दर्ज करके दोनों को न्यायालय के सामने पेश किया। मामले में सिद्धार्थनगर के एएसपी ने बताया कि 26 मार्च को पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने बभनी तिराहे से एक पुरुष व एक महिला को पकड़ा है। जिनसे पूछताछ की गई तो ज्ञात हुआ कि वह चीनी नागरिक हैं तथा बिना किसी वैद्य डॉक्यूमेंट के भारत में प्रवेश कर गए हैं।

पश्चिम बंगाल में नहीं थम रही हिंसा, फिर हुई खूनी झड़प में कई घायल

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के चलते पश्चिम बंगाल में एक बार फिर हिंसा की आग भड़क उठी है। बीते सोमवार को दक्षिण 24 परगना और मुर्शिदाबाद जिलों से उपद्रव की खबरें आई थीं। इसके बाद से शुरु हुआ ये सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब सुंदरवन के एक द्वीप कुमिरमारी में भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ताओं के बीच खूनी झड़प होने की खबरें आ रहीं हैं। इसमें कई लोग घायल हुए है जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाजपा विधायक और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस के सामने यह मामला उठाया। अधिकारी ने कहा, 卐पश्चिम मिदनापुर में भाजपा बूथ अध्यक्ष के भाई शांतनु घराई की हत्या कर दी गई। दक्षिण 24 परगना के कैनिंग में टीएमसी समर्थित गुंडों के हमले में कम से कम 30 भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गए। नादिया के शांतिपुर में एक टीएमसी नेता के बेटे ने एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया। पीड़ित का परिवार भाजपा बूथ नेता है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल पुलिस के शीर्ष अधिकारियों द्वारा हमसे मिलने से इनकार करने के बाद हमने राज्यपाल से मुलाकात की। हमने राज्यपाल को बताया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था कैसे खराब हो गयी है। हमने राज्यपाल से कैनिंग और पश्चिमी मिदनापुर का दौरा करने का अनुरोध किया है। इससे पहले जनवरी में दक्षिण 24 परगना के भांगर में दीवार पर भित्तिचित्र बनाने को लेकर टीएमसी और इंडियन सेक्युलर फंट (आईएसएफ) कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। इस घटना में कम से कम पांच लोग घायल हो गए थे। बारुईपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। हमें जो शिकायत मिली है उसके मुताबिक, झड़प की वजह जमीन विवाद को लेकर पुरानी दुश्मनी थी। शिकायत में इस बात का उल्लेख नहीं है कि यह एक राजनीतिक झड़प थी। हालांकि, स्थानीय लोगों ने कहा कि पार्टी के झंडे फहराने को लेकर टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। टीएमसी जिला परिषद नेता अनिमेष मोंडोल ने कहा, भाजपा ने हमारे कार्यकर्ताओं पर बिना उकसावे के हमला किया। उन्होंने एक या दो राउंड फायरिंग भी की, हालांकि किसी को चोट नहीं आई। स्थानीय भाजपा नेता ने इसका जवाब दिया है। भाजपा के नेता बिकास सरदार ने कहा, हमारे कार्यकर्ता झंडे फहरा रहे थे जब टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हम पर हमला किया। हमारे कार्यकर्ताओं पर गोलीबारी की। सौभाग्य से वे चूक गये।

अफस्पा भी हटाएंगे और जम्मू कश्मीर से सेना को भी वापस बुलाएंगे: अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में तैनात सेना को वापस बुलाने पर विचार चल रहा है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो सेना की वापसी होगी और अफस्पा भी हटा लिया जाएगा। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में शाह ने कहा कि शाह ने यह भी कहा कि सरकार की योजना केंद्र शासित प्रदेश में सैनिकों को वापस बुलाने और कानून व्यवस्था को अकेले जम्मू-कश्मीर पुलिस पर छोड़ने की है। उन्होंने कहा, 'हमारी योजना सैनिकों को वापस बुलाने और कानून व्यवस्था को जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले करने की है। पहले, जम्मू-कश्मीर पुलिस पर भरोसा नहीं किया जाता था, लेकिन आज वे अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। विवादास्पद अफस्पा पर गृह मंत्री ने कहा, 'हम अफस्पा हटाने के बारे में भी सोचेंगे।' गृह मंत्री का यह ऐलान जम्मू-कश्मीर के लिहाज से अहम है क्योंकि वह लगातार मांग होती रही है कि अफस्पा को हटाया जाए और आम शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में सेना की तैनाती न रहे।

शाह ने दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता फारूक अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने आरक्षण के प्रावधानों को लेकर कटुता पैदा करने की पूरी कोशिश की लेकिन लोग अब उनके इरादों को समझ गए हैं। उन्होंने पूछा कि नेकां ने पिछले 75 वर्षों में इन लोगों को आरक्षण क्यों नहीं दिया। गृह मंत्री ने दावा किया कि जब आतंकवाद चरम पर था तो अब्दुल्ला इंग्लैंड चले गए थे। उन्होंने कहा, अब्दुल्ला और महबूबा दोनों को इस मुद्दे पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि बातचीत की प्रक्रिया में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का कोई स्थान नहीं है। इंटरव्यू के दौरान अमित शाह ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने जोर देकर यह भी कहा कि वहां रहने वाले मुस्लिम और हिंदू दोनों ही भारतीय हैं। जेके मीडिया ग्रुप को दिए एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा, पीओके में रहने वाले मुस्लिम और हिंदू भाई भारतीय हैं। जिस जमीन पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा किया है, वह भारत की है। इसे वापस पाना हर भारतीय और हर कश्मीरी का लक्ष्य है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं से पाकिस्तान की साजिशों से दूर रहने का भी आग्रह किया।

70 प्रतिशत क्षेत्रों में अफस्पा हटा

अफस्पा अशांत क्षेत्रों में सक्रिय सशस्त्र बलों के कर्मियों को 'लोक व्यवस्था कायम' रखने के लिए आवश्यकता होने पर तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और गोली चलाने की व्यापक शक्तियां देता है। शाह ने पहले कहा था कि पूर्वोत्तर राज्यों में 70 प्रतिशत क्षेत्रों में अफस्पा हटा दिया गया है, हालांकि यह जम्मू-कश्मीर में लागू है। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने अफस्पा हटाने की मांग की है।शाह ने कहा कि सितंबर से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होंगे। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को स्थापित करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वादा है और इसे पूरा किया जाएगा। हालांकि, यह लोकतंत्र केवल तीन परिवारों तक सीमित नहीं रहेगा और लोगों का लोकतंत्र होगा।''

तीस लाख सरकारी पद भरेगी कांग्रेस : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया है कि यदि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों में सत्ता में आती है तो रिक्त सरकारी नौकरी के 30 लाख पदों को भरा जाएगा और परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए सख्त कानून बनेगा। श्रीमती वाड्रा ने बुधवार को सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा कि कांग्रेस सरकार रोजगार क्रांति के जरिये देश के युवाओं का हाथ मजबूत करेगी। युवा ही देश का भविष्य हैं। वे मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि देश के कुल श्रमबल में जितने बेरोजगार हैं, उनमें 83 प्रतिशत युवा हैं। कुल बेरोजगारों में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 35.2 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022 में यह 65.7 प्रतिशत यानी लगभग दोगुनी हो गई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार कह रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी की समस्या हल नहीं कर सकती। यही भारतीय जनता पार्टी सरकार की सच्चाई है। आज देश का हर युवा समझ चुका है कि भाजपा रोजगार नहीं दे सकती। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास युवाओं को रोजगार देने की ठोस योजना है। खाली पड़े 30 लाख सरकारी पद तत्काल भरे जाएंगे और हर स्नातक और डिप्लोमाधारक को एक लाख रुपये सालाना की अप्रेंटिसशिप दी जाएगी। पेपर लीक के खिलाफ नया सख्त कानून आएगा तथा गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी मिलेगी। इसके अलावा स्टार्ट-अप के लिए 5000 करोड़ का राष्ट्रीय कोष बनाया जाएगा।

जेल में रहकर भी कुर्सी का मोह नहीं छोड़ पा रहे केजरीवाल: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर आज जम्मू कश्मीर प्रवास पर थे। अपने प्रवास के दौरान श्री अनुराग ठाकुर ने सर्वप्रथम उधमपुर में आयोजित बाइक रैली में भाग लिया और इसके बाद उधमपुर भाजपा कार्यालय में आयोजित सांगठनिक बैठक में शामिल हुए। शाम को श्री अनुराग ठाकुर आईआईएम जम्मू और होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

श्री अनुराग ठाकुर ने आरजेडी लीडर लालू प्रसाद यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस समय लालू यादव चारा घोटाले में फंसे हुए थे उस समय राबड़ी देवी जी उनकी तरफ से घोषणाएं करती थी, फिर धीरे-धीरे उन्होंने लालू यादव की गद्दी संभाल ली, अब अरविंद केजरीवाल के मामले में भी यही हो रहा है। जो अरविंद केजरीवाल नैतिकता की बात करते थे, जो कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन पर बैठते थे वही आम आदमी पार्टी आज भ्रष्टाचार के दलदल में बुरी तरह फंस गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जेल में रहकर भी अरविन्द केजरीवाल सीएम की कुर्सी का मोह नहीं छोड़ रहे हैं, केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं। श्री अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह अपने ही राज्यों की महिलाओं को संरक्षण नहीं दे पाई बल्कि उन्होंने भ्रष्टाचारियों और बलात्कारियों को संरक्षण दिया है'। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, 'अरविंद केजरीवाल कहते थे कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ हूं, राजनीति में नहीं आऊंगा। ये वही अरविंद केजरीवाल हैं जो कांग्रेस के खिलाफ धरने पर बैठते थे। आज अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में नीचे तक धसी हुई है। इनका उपमुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, सांसद और पार्षद तक जेल में है। और अब शराब घोटाले के किंगपिन, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं जेल में हैं। इनकी अराजकता और भ्रष्टाचार ने उन्हें आज जेल में डाला है'।

आगे कांग्रेस पर निशाना चाहते हुए श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, 'आज सवाल कांग्रेस से भी है कि क्या उन्होंने अपना ज़मीर बेच दिया है? अरविंद केजरीवाल पहले सोनिया गांधी को गिरफ्तार कर दो दिन तक पूछताछ करने की मांग करते थे। ऐसी कौन सी मजबूरी है कि कांग्रेस का आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार के साथ खड़ा होना जरूरी है? कल तक शराब घोटाले के आंकड़े प्रस्तुत कर मुकदमा करने की बात करने वाले कांग्रेसी नेता आज कहां हैं? आज यह उसके पक्ष में रैली करने की बात कर रहे हैं जिसने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। क्या कांग्रेस अरविंद केजरीवाल को निर्दोष मानती है? मोदी जी ने सदैव कहा है ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा जांच। जांच एजेंसियों के जांच के बाद इन बेईमानों का दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।'

पूर्व सीएम ने निकाला ईवीएम का तोड़, बैलेट पेपर से चुनाव कराने सभी कार्यकर्ता करें नामांकन

-कांग्रेस की जीत सुनिश्चित कराने छग के पूर्व सीएम बघेल ने दिया मंत्र

-एक सीट पर हुए 375 प्रत्याशी तो, ईवीएम की जगह लेगा बैलेट पेपर

दुर्ग (एजेंसी)। ऐसा लगता है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ईवीएम का हल तलाश लिया है। यही वजह है कि वो पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए कह रहे हैं। उनका कहना है कि 375 से अधिक प्रत्याशी यदि एक लोकसभा सीट से हो जाते हैं तो फिर ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव होंगे और तब कांग्रेस की जीत निश्चित ही होगी।

यहां बतलाते चलें कि छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल पाटन विधानसभा के आमालोरी गांव में मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में राजनांदगांव से लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल भी मौजूद थे। यहां पर ईवीएम पर सवाल उठाते हुए पूर्व सीएम बघेल ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव ईवीएम से नहीं होने देना चाहिए। दरअसल बैलेट पेपर से यदि चुनाव होते हैं तो भाजपा की असलियत सभी के सामने आ जाएगी। इस दौरान पूर्व सीएम बघेल ने कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के नियम भी बतलाए। इसी बीच उन्होंने कहा कि यदि किसी सीट पर नाम वापसी के बाद 375 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रह जाते हैं तो इस स्थिति में निर्वाचन आयोग को वहां बैलेट पेपर से चुनाव कराना होगा। इसलिए आप सभी लोग चुनाव के लिए फार्म भरें। प्रत्येक लोकसभा सीट पर 375 से अधिक प्रत्याशी नाम वापसी के बाद रहने चाहिए, तभी बैलेट पेपर से चुनाव होंगे और तभी कांग्रेस की जीत भी सुनिश्चित हो सकेगी। इसके लिए कार्यक्रम के दौरान पूर्व सीएम बघेल ने समस्त कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि वो सभी लोकसभा सीटों में 375 से अधिक उम्मीदवार खड़े करने की कोशिश करेंगे। ऐसा करने से ईवीएम की सच्चाई भी अपने आप सामने आ जाएगी। उन्होंने दावा किया कि यदि ऐसा संभव हुआ तो निश्चित ही कांग्रेस सभी जगहों पर जीत दर्ज करेगी।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे पूर्व सीएम बघेल ने कहा कि हम पर व्यंग्य कसा जाता है और कहा जाता है कि जब चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम पर सवाल उठाते हैं। जबकि सत्यता यह है कि कांग्रेस ने शुरू से ही स्टैंड ले रखा है कि चुनाव बैलेट से होना चाहिए, क्योंकि ईवीएम को हैक किया जा सकता है।

मायावती का नया दांव- मुस्लिमों को टिकट देकर बिगड़ सकता है बना बनाया खेल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा सुप्रीमो मायावती के सियासी पैंतरे समझ पाना आसान नहीं होता है। उन्होंने ने हाल ही में एक बड़ा दांव चला है। इस दांव से कई विरोधियों का बना बनाया खेल बिगड़ सकता है। मायावती ने हाल ही में लोकसभा चुनाव के लिए 16 उम्मीदवारों की एक सूची जारी की है। इसमें 7 उम्मीदवार मुस्लिम हैं। इतनी ज्यादा संख्या में मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव लगाना कई दलों के लिए चुनौती खड़ी कर सकता है। मतलब साफ है कि बसपा के इस फैसले से सपा-कांग्रेस गठबंधन को बसपा कड़ी चुनौती देने जा रही है। सात सीटों पर मुस्लिम वोटों का बंटवारा होने से त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि मुस्लिमों को तरजीह देकर इंडिया गठबंधन के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। हालांकि पार्टी की पहली सूची में कोई महिला उम्मीदवार नहीं है। तीन सुरक्षित सीटों पर भी पार्टी ने अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं। बसपा की इस रणनीति से इंडिया गठबंधन को नुकसान उठाना पड़ सकता है। विधानसभा चुनाव में भी बसपा की रणनीति कुछ ऐसी ही थी। पार्टी भले ही एक सीट पर सिमट गई, लेकिन कई सीटों पर सपा की हार के अंतर से अधिक वोट उसके उम्मीदवारों को मिले थे।

सीएए के खिलाफ विरोध जारी रहना चाहिए : गायक जुबीन गर्ग

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग ने कहा कि असम के लोग नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को कभी स्वीकार नहीं करेंगे और बिना हिंसा के इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह विभिन्न मंचों पर सीएए के खिलाफ विरोध जारी रखेंगे। उन्होंने इस अधिनियम को रद्द करने की खातिर कानूनी लड़ाई जीतने के लिए ठोस कदम उठाने का भी आह्वान किया। सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक'' पर अपने पोस्ट में गर्ग ने कहा कि 2017 में जब यह विधेयक आया था वह तभी से इसका विरोध कर रहे हैं और वह अपने रुख पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन इसके कई तरीके हैं। गर्ग ने कहा कि इस तरह के कई आंदोलनों में लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, चाहे वह असम आंदोलन हो या 2019 का सीएए विरोधी प्रदर्शन। सीएए विरोधी प्रदर्शन के दौरान पांच युवाओं की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि ऐसे में अब विरोध प्रदर्शन के कारण एक भी जान नहीं जानी चाहिए। राज्य में युवाओं के बीच लोकप्रिय गर्ग ने कहा, 'मैं अपने तरीके से सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखूंगा। मंच पर या सोशल मीडिया पर जहां भी, जैसे भी संभव हो सके।' उन्होंने दावा किया कि सरकार सीएए को 'थोपने' की कोशिश कर रही है, लेकिन राज्य के लोग इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

जेल में रहकर भी कुर्सी का मोह नहीं छोड़ पा रहे केजरीवाल: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर आज जम्मू कश्मीर प्रवास पर थे। अपने प्रवास के दौरान श्री अनुराग ठाकुर ने सर्वप्रथम उधमपुर में आयोजित बाइक रैली में भाग लिया और इसके बाद उधमपुर भाजपा कार्यालय में आयोजित सांगठनिक बैठक में शामिल हुए। शाम को श्री अनुराग ठाकुर आईआईएम जम्मू और होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

श्री अनुराग ठाकुर ने आरजेडी लीडर लालू प्रसाद यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस समय लालू यादव चारा घोटाले में फंसे हुए थे उस समय राबड़ी देवी जी उनकी तरफ से घोषणाएं करती थी, फिर धीरे-धीरे उन्होंने लालू यादव की गद्दी संभाल ली, अब अरविंद केजरीवाल के मामले में भी यही हो रहा है। जो अरविंद केजरीवाल नैतिकता की बात करते थे, जो कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन पर बैठते थे वही आम आदमी पार्टी आज भ्रष्टाचार के दलदल में बुरी तरह फंस गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जेल में रहकर भी अरविन्द केजरीवाल सीएम की कुर्सी का मोह नहीं छोड़ रहे हैं, केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं। श्री अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह अपने ही राज्यों की महिलाओं को संरक्षण नहीं दे पाई बल्कि उन्होंने भ्रष्टाचारियों और बलात्कारियों को संरक्षण दिया है÷

श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, ÷अरविंद केजरीवाल कहते थे कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ हूं, राजनीति में नहीं आऊंगा। ये वही अरविंद केजरीवाल हैं जो कांग्रेस के खिलाफ धरने पर बैठते थे। आज अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में नीचे तक धसी हुई है। इनका उपमुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, सांसद और पार्षद तक जेल में है। और अब शराब घोटाले के किंगपिन, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं जेल में हैं। इनकी अराजकता और भ्रष्टाचार ने उन्हें आज जेल में डाला है÷

आगे कांग्रेस पर निशाना चाहते हुए श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, ÷आज सवाल कांग्रेस से भी है कि क्या उन्होंने अपना ज़मीर बेच दिया है? अरविंद केजरीवाल पहले सोनिया गांधी को गिरफ्तार कर दो दिन तक पूछताछ करने की मांग करते थे। ऐसी कौन सी मजबूरी है कि कांग्रेस का आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार के साथ खड़ा होना जरूरी है? कल तक शराब घोटाले के आंकड़े प्रस्तुत कर मुकदमा करने की बात करने वाले कांग्रेसी नेता आज कहां हैं? आज यह उसके पक्ष में रैली करने की बात कर रहे हैं जिसने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। क्या कांग्रेस अरविंद केजरीवाल को निर्दोष मानती है? मोदी जी ने सदैव कहा है ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा जांच। जांच

मुंबई बनी दुनिया की अरबपति राजधानी, बीजिंग को पछाड़ा

– भारत 271 अरबपतियों के साथ वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते अरबपतियों की राजधानी है, इस साल इसमें 26 अरबपति शामिल हुए और यह दुनिया में तीसरा व एशिया में अरबपतियों की राजधानी बन गया है। नई दिल्ली पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुई। सामूहिक रूप से भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 1 खरब डॉलर के बराबर है, जो वैश्विक अरबपतियों की संपत्ति का 7 फीसदी है, जो देश के पर्याप्त आर्थिक प्रभाव को दर्शाता है।

मुंबई एशिया की नई अरबपतियों की राजधानी के रूप में उभरा है और इस मामले में यह चीन के बीजिंग शहर को पीछे छोड़ चुका है, जबकि भारत 271 अरबपतियों के साथ वैश्विक स्तर पर जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर है। यह बात एक ताजा रिपोर्ट में कही गई है।

भारत की आर्थिक शक्ति अरबपति आबादी में हुई बढ़ोतरी से और भी अधिक रेखांकित हुई। देश में आश्चर्यजनक रूप से 94 नए अरबपति जुड़े, जो संयुक्त राज्य अमेरिका को छोड़कर किसी भी देश में सबसे अधिक है। कुल मिलाकर यहां 271 अरबपति हैं। यह उछाल 2013 के बाद से सबसे ज्यादा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ते आत्मविश्वास का प्रमाण भी है। 2024 में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अरबपतियों की संचयी संपत्ति चीन के प्रति अरबपति औसत संपत्ति को पार करते हुए 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उद्योग के लिहाज से फार्मास्युटिकल क्षेत्र 39 अरबपतियों के साथ सबसे आगे है, इसके बाद ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग में 27वां और रसायन क्षेत्र 24वां का स्थान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवा, तकनीक-प्रेमी आबादी और नवाचार पर बढ़ते फोकस के चलते आज भारत इस एआई क्रांति को भुनाने के लिए अच्छी स्थिति में है, जिससे आने वाले सालों में भारत में और भी ज्यादा अरबपतियों की बढ़ोतरी होगी। अरबपतियों की बात करें तो भारतीय अरबपतियों की सूची में सबसे ऊपर रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी हैं, जिनकी कुल संपत्ति 115 अरब डॉलर है। अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी की संपत्ति 86 अरब डॉलर है। एक तरफ भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ गई, तो दूसरी ओर इस मामले में चीन में गिरावट देखी जा रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के लिए यह साल खराब रहा है। हांगकांग 20 फीसदी नीचे, शेनझेन 19 फीसदी नीचे और शंघाई 7 फीसदी नीचे रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रांसपोर्टर ने १३ साल की किशोरी के साथ प्रकृति के विरुद्ध कृत्य किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पांडेसरा एलआईडी आवास के पास रहने वाले एक ट्रांसपोर्टर का १२ साल ११ महीने का बेटा धुलेटी के दिन दोपहर के समय सोसायटी में अपनी साइकिल चला रहा था, तभी नराधम, जो मोपेड पर था, उसे पास के एक खेत में ले गया। जर्जर मकान, उसे कैंची जैसा हथियार दिखाया, जान से मारने की धमकी दी और ओरल सेक्स करने के लिए मजबूर किया उसने घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में पुलिस ने ट्रांसपोर्टर की शिकायत लेकर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है.

पांडेसरा एलआईसी आवास के पास रहने वाले एक ट्रांसपोर्टर का कक्षा-७ में पढ़ने वाला १२ साल ११ महीने का बेटा धुलेटी के दिन धुलेटी खेल रहा था और दोपहर करीब चार बजे सोसायटी के पास साइकिल चला रहा था। अमित पांडे नाम का युवक मोपेड लेकर उनके पास आया। और उसे मोपेड पर बैठने को कहा. हालांकि, ट्रांसपोर्टर के बेटे ने गाड़ी में बैठने से इनकार कर दिया और उसके पीछे-पीछे सोसायटी में आ गया। और चल मेरी गाड़ी पे बेथ जा बीता डेर पे वापास एटे हे टेम काही मोपेड पर बैठ गया और एवेल को पास के पंचवटी सोसायटी के एक खंडहर घर में ले गया।

घर का दरवाजा अंदर से बंद कर कैंची जैसा हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर जबरन ओरल सेक्स करने को कहा. साथ ही सुष्टी पर भी हमला किया गया. नराधम अमित ने लड़के के दर्द को महसूस करते हुए उसे चिल्लाएगा तो मार डालुगा कहकर छोड़ दिया और जाते-जाते कहा कि किसको बताना मत। अमित की धमकी से किशोर डर गया. किशोर शाम को घर आया और अपने पिता से कहा कि हमने यह मकान खाली कर दिया है और हम कहीं और रहने जा रहे हैं लेकिन उस समय उसके पिता ने ध्यान नहीं दिया और अगले दिन फिर से मकान खाली करने की बात कही तो उसके पिता ने सारी बात बताई।

मकान खाली करने का कारण पूछ रहे हैं। मामला सामने आ गया है। पुलिस ने अमित पांडे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है.

पुलिस आत्महत्या के मामले में कांस्टेबल के खिलाफ बलात्कार का अपराध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महिला कांस्टेबल की आत्महत्या के मामले में सिंगणपोर पुलिस ने सूरत साइबर क्राइम के तहत पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी पो.को. प्रशांत सीताराई भोय (२८) (निवास, पुलिस लाइन, पिपलोद, मूल निवास, सोडमलगाम, वाघई, डांग) पिछले ३ वर्षों से मृत महिला पुलिस अधिकारी के साथ रिश्ते में था। प्रशांत ने महिला कर्मी को शादी का झांसा दिया और सूरत में अलग-अलग जगहों पर ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

इस बात की जानकारी दोनों परिवारों को थी. पुलिसकर्मी ने दूसरी जगह सगाई करने की बात कही और महिला कांस्टेबल को बुला लिया। तो मैं उदास हो गया. पिछले १० दिनों से महिला कांस्टेबल प्रेमी प्रशांत को मिलने के लिए बुला रही थी।

मृतक ने 'आओ मिलने' कहकर कई मैसेज भेजे और फोटो व्हाट्सएप पर भेज दी। हालांकि, पुलिसकर्मी ने कोई जवाब नहीं दिया. इसलिए आत्महत्या कर ली.

जन सेवा केंद्र पर आय विवरणी के लिए उमड़ी भीड़

आरटीई फॉर्म के लिए घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर लोग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत समेत पूरे राज्य में शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूलों में जरूरतमंद बच्चों के फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है। आरटीई के तहत फॉर्म भरने के लिए आवश्यक दस्तावेजों में आय के प्रमाण के लिए जनसेवा केंद्र पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। यहां पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

अठवालाइन्स स्थित जनसेवा केंद्र पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। आरटीई फॉर्म भरने के लिए आय प्रमाण पत्र लेने के लिए सूरत जन सेवा केंद्र पर भारी भीड़ उमड़ रही है। सिस्टम द्वारा कोई अतिरिक्त प्रावधान नहीं होने के कारण लोगों को दैनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं के साथ छोटे-छोटे बच्चों सहित पुरुष भी घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। उदाहरण लेने आए रमेशभाई ने कहा कि सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए भी बच्चों को मजबूरी की तरह लंबी कतार में खड़ा होना पड़ता है. बहुत समय बीत जाने पर भी उदाहरण नहीं मिलते। तो आपको धक्का लगाना पड़ेगा.

सिटी बस प्रबंधकों की लापरवाही

दरवाजा लॉक होने पर यात्रियों को ड्राइवर केबिन से बाहर निकाला गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर पालिका शहर में सार्वजनिक परिवहन सेवा पर करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन नगर पालिका के शहर और बीआरटीएस बस ऑपरेटरों की लापरवाही के कारण सार्वजनिक परिवहन सेवा विवादों में है। पहले ड्राइवर कंडक्टर को लेकर विवाद हुआ था. नगर निगम की बसों के मेंटेनेंस के मुद्दे पर आज बड़ा विवाद हो गया है. नगर निगम की बसों का रखरखाव ठीक से न होने के कारण आज बस में सफर करने वाले यात्रियों की जान जोखिम में पड़ गई। सूरत के अडाजण ऋषभ चार रास्ता के पास सिटी बस का दरवाजा सेंट्रल लॉक में फंस जाने से यात्रियों में दहशत फैल गई, जिसके बाद घबराए यात्रियों को ड्राइवर के केबिन से बाहर निकलना पड़ा.

नगर पालिका सार्वजनिक परिवहन सेवा के विस्तार के साथ-साथ पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक बसों की संख्या भी लगातार बढ़ा रही है। योजना है कि २०२५ तक सूरत नगर पालिका की सभी बसें सिटी बसें होंगी। इसके मुताबिक, पिछले चार महीनों में सूरत से ३४० डीजल बसें शिफ्ट की गई हैं। सूरत में शहर और बीआरटीएस मार्गों पर अभी भी चलने वाली लगभग ४२५ डीजल बसें २०२५ के अंत तक चरणबद्ध तरीके से बंद करने और उनकी जगह बसें लाने की कवायद चल रही है। हालांकि आज की घटना से यह आरोप लगाया जा रहा है कि वर्तमान में जो सिटी बस चल रही है उसका संचालन और रखरखाव ठीक से नहीं किया जा रहा है.

सूरत नगर पालिका की सिटी बसों में अनियमितता के साथ-साथ टिकट चोरी की भी शिकायतें आ रही थीं, लेकिन आज अडाजण इलाके में ऋषभ चार रोड से गुजर रही एक बस लापता हो गई. बस रुकने के बाद ड्राइवर ने बस स्टार्ट करने की कोशिश की लेकिन असफल रहा. फिर यात्री के चढ़ने और उतरने का दरवाज़ा सेंट्रली लॉक कर दिया गया। यात्री दरवाजे से उतरने की कोशिश कर रहे थे लेकिन दरवाजा नहीं खुला इसलिए यात्री जान बचाने के लिए लटक गए। दरवाजा न खुलने से यात्री घबरा गए। घबराए यात्रियों ने बाहर निकलने के लिए खूब हाथ-पैर मारे लेकिन दरवाजा नहीं खुला। ड्राइवर केबिन का दरवाजा नहीं खुलने पर यात्री एक-एक कर बाहर निकले।

बिल्डिंग की छत से गिरकर युवक की मौत, आत्महत्या या हत्या? जांच शुरूकरें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में एक युवक बिल्डिंग की छत से गिर गया. तो स्थानीय लोगों ने तुरंत १०८ एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अब पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई शुरू की गई

फूलचंद ने बताया कि वह छत से गिर गया है। उनके थे लल्लू यादव. उम्र थी २७ साल. पहले स्टेशन के पास रहता था. सुदा आवास में रहने आई। वह कंपनी में काम करता था. मुझे नहीं पता कि वह कहां काम करता था। मूल रूप से वह उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। उसकी शादी नहीं हुई थी. पांच साल तक सूरत में रहे। एक दर्शक ने बताया कि वह छत से गिर गया है. बस हमें यही पता है।

मजदूर युवक की मौत को लेकर सवाल उठ रहे हैं. आखिर ये युवक बिल्डिंग की छत पर क्यों चढ़ा. वहां कोई काम करने गया था, तभी युवक ने आत्महत्या कर ली या किसी ने उसे छत से धक्का दे दिया. उस दिशा में पुलिस द्वारा जांच की गयी है.

लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मीडिया मॉनिटरिंग रूम शुरूकिया गया है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लोकसभा चुनाव की तैयारियां की जा रही हैं. चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीखों की घोषणा होते ही प्रशासन द्वारा सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव कराना जरूरी है, लेकिन साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से किए जा रहे प्रचार से लेकर मीडिया और सोशल मीडिया में किस तरह की खबरें आ रही हैं,

इस पर भी नजर रखने का काम शुरूकर दिया गया है. मीडिया मॉनिटरिंग सेंटर सेवा शुरू लोकसभा चुनाव होने के चलते कलेक्टर ने सभी तरह की तैयारियों पर बारीकी से काम शुरू कर दिया है। मीडिया मॉनिटरिंग सेंटर का शुभारंभ आज कलेक्टर द्वारा स्वयं किया गया है। मीडिया मॉनिटरिंग सेंटर के भीतर सभी टीवी चैनलों पर चलने वाली खबरों पर नजर रखी जाएगी. लोकल चैनल पर किस तरह की खबरें चल रही हैं? उस पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा. इसके साथ ही मीडिया सेंटर की टीम सोशल मीडिया पर होने वाले प्रचार-प्रसार पर भी नजर रखेगी.

पेड न्यूज या फेक न्यूज पर रहेगी नजर